श्रावण शुक्ल - 7 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 3 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 25-07-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 एचएएल : भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने साधा राहुल पर निशाना

6 मणिपुर की स्तध करने वाली तस्वीरों के पीछे?

7 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 15 की तैयारी शुरू : अमिताभ

फर्स्ट टेक

फिजी द्वीप समूह के दक्षिण में 6.0 तीव्रता का आया भूकंप

हांगकांग/वार्ता। फिजी द्वीप समूह के दक्षिण में 02:49:5(जीएमटी) पर 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि सोमवार को आये इस भूकंप का केंद्र शुरू में 553.4 किमी की गहराई पर 24.18 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 178.76 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित किया गया।

तुर्कीये से रूस आ रहे जहाज पर मिला विस्फोट : एफएसबी

मॉस्को/वार्ता। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने सोमवार को कहा कि तुर्कीये से रोस्तोव-ऑन-डॉन आ रहे मालवाहक जहाज का संभावित आतंकवादी हमलों को रोकने के लिए केर्च जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान निरीक्षण में जहाज पर विस्फोटक मिला है। एफएसबी ने आज यहां बताया कि 22 जुलाई को तुर्कीये से रोस्तोव-ऑन-डॉन जा रहे मालवाहक जहाज में डाइनिट्रोटोलुइन जैसी विस्फोटक सामग्री और बाहरी हस्तक्षेप के निशान पाए गए। उन्होंने कहा, हम आतंकवादी और विध्वंसकारी हमलों को रोकने और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केर्च जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों का निरीक्षण उपाय कर रहे हैं। एफएसबी के अनुसार मई के अंत में जहाज किलिया के यूक्रेनी बंदरगाह में था, लेकिन जुलाई में तुर्कीये में इसने अपने चालक दल को पूरी तरह से बदलकर उसमें 12 यूक्रेनी नागरिक शामिल किया।

इमरान खान की गिरफ्तारी का आदेश

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने सोमवार को इस्लामाबाद पुलिस को निर्देश दिया कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार कर मंगलवार को उसके समक्ष पेश करे। निर्वाचन आयोग ने अपनी अवमानना से जुड़े एक मामले में यह आदेश दिया है। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) सुनवाई से खान की लगातार अनुपस्थिति से नाराज था और उसने अवमानना मामले में पेश नहीं होने के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ प्रमुख को गिरफ्तार करने का इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को निर्देश दिया। ईसीपी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयोग के खिलाफ कथित तौर पर ''अमर्यादित'' भाषा का इस्तेमाल करने के लिए पिछले साल खान (70) और उनकी पार्टी के पूर्व नेताओं असद उमर और फवाद चौधरी के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की थी।

25-07-2023 सूर्यास्त 6:38 बजे | 26-07-2023 सूर्योदय 5:52 बजे

BSE 66,384.78 (-299.48) | NSE 19,672.35 (-72.65)

सोना 6,178 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 81,300 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घटिया हरकत

मिल रही जजों को भी धमकी,
हिम्मत गुण्डों की बढ़ी हुई।
नापाक मुल्क में साजिश की,
सारी करतूतें गढ़ी हुई।
पहले अपना घर तो देखें,
कालिख जिस पर है मढ़ी हुई।
घटिया की घटिया हरकत से,
त्यौरियां हमारी चढ़ी हुई।।

ज्ञानवापी मस्जिद सर्वे में उच्चतम न्यायालय ने लगाई

वाराणसी जिला न्यायालय के आदेश पर 26 जुलाई तक रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उच्चतम न्यायालय ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वे करने के वाराणसी जिला अदालत के आदेश पर सोमवार को 26 जुलाई तक रोक लगा दी। जिला अदालत के 21 जुलाई 2023 के आदेश पर एएसआई के 30 सदस्यीय एक दल ने सोमवार सुबह से सर्वे का काम शुरू कर दिया था।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वाराणसी की अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ेफ़ा अहमदी के मामले का तत्काल उल्लेख करने पर यह आदेश पारित किया।

पीठ ने आदेश देते हुए कहा कि जिला न्यायाधीश का आदेश 26 जुलाई शाम पांच बजे तक लागू नहीं किया जाएगा। इस बीच मुस्लिम पक्ष इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर कर सकता है। पीठ ने उच्च न्यायालय रजिस्ट्री से इस मामले को सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय के संबंधित पीठ के समक्ष रखने को भी कहा।

आदेश के बाद एएसआई ने सर्वेक्षण रोका

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में उच्चतम न्यायालय के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम ने सोमवार सुबह ज्ञानवापी परिसर में वैज्ञानिक सर्वेक्षण की कार्रवाई रोक दी। वाराणसी के मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने सोमवार को बताया कि उच्चतम न्यायालय ने ज्ञानवापी परिसर के सर्वेक्षण की कार्रवाई को 26 जुलाई शाम तक के लिए रोकने का निर्देश दिया है, जिसको देखते हुए सर्वेक्षण पर रोक लगा दी गई है। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने 26 जुलाई की शाम तक के लिए जिला जज के सर्वे की कार्रवाई के आदेश पर रोक लगाई है।

रैली

'कारगिल युद्ध' की जीत के 24 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में और महिलाओं की अदम्य भावना को प्रदर्शित करने के लिए, उत्तरी कमान ने 18 जुलाई 23 को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नई दिल्ली से कारगिल युद्ध स्मारक, द्रास तक नारी सशक्तीकरण महिला मोटरसाइकिल रैली शुरू की है। रैली उधमपुर से श्रीनगर पहुंची और जीओसी 31 सब एरिया के मेजर जनरल पीबीएस लांबा ने इसका स्वागत किया।

पर्यावरण संरक्षण 21वीं सदी के लिए चिंता का प्रमुख मुद्दा बन गया है : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि पर्यावरण में गिरावट, वन क्षेत्र में कमी, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के खतरे वैश्विक चर्चा एवं भागीदारी के केन्द्र में हैं तथा पर्यावरण संरक्षण 21वीं सदी के लिए एक चिंता का प्रमुख मुद्दा बन गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारतीय वन सेवा के प्रोबेशनर (2022 बैच) और भारतीय रक्षा संपदा सेवा (2018 और 2022 बैच) के अधिकारियों/ प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत की जलवायु और भौगोलिक स्थिति वनों के फैलाव से निकटता से जुड़ी हुई है और वन तथा वन्यजीव देश के अमूल्य संसाधन और विरासत हैं जिन्हें वन सहारा देते हैं। मुर्मू ने कहा, पर्यावरण में गिरावट, वन क्षेत्र में कमी, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के खतरे वैश्विक बातचीत और भागीदारी के केन्द्र में हैं। इसीलिए पर्यावरण संरक्षण 21वीं सदी के लिए चिंता का एक प्रमुख मुद्दा बन गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने दुनिया को लाइफ-लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट का मंत्र दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय वन सेवा के अधिकारी समाधान प्रदाताओं में से हैं और ऐसे में उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे इस मंत्र के व्यावहारिक क्रियान्वयन के लिए अथक प्रयास करें।

राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि प्रशासनिक सेवा के रूप में उनकी यात्रा ऐसे समय में शुरू हुई है जब भारत ने वैश्विक स्तर पर नेतृत्व हासिल किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी सांस्कृतिक समृद्धि के साथ-साथ अपनी तकनीकी प्रगति के लिए विश्व का ध्यान आकर्षित किया है और दुनिया को दिखाया है कि प्रौद्योगिकी और परंपराएं साथ-साथ चल सकती हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह भारतीय रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं और सुविधाएं पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ हों। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी सुशासन को सक्षम बनाती है और उन्हें विशेषज्ञता के साथ-साथ अपने तकनीकी कौशल में सुधार करते रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छावनियों में प्रभावी प्रशासन और रक्षा भूमि के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का अधिकतम संभव उपयोग किया जाना चाहिए।

ईपीएफ खाताधारकों को मिलेगा 8.15 प्रतिशत ब्याज

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना के तहत अंशदाताओं के जमा पर वर्ष 2022-23 के लिए 8.15 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी दी है। श्रम मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सोमवार को जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि सेवानिवृत्ति निधि प्रबंधक, ईपीएफओ ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को सदस्यों के खातों में अनुमोदित ब्याज दर जमा करने का निर्देश जारी कर दिया है। ईपीएफओ ने जोनल और क्षेत्रीय कार्यालयों को आज जारी परिपत्र में कहा, श्रम और रोजगार मंत्रालय ने सूचित किया है कि केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के पैरा 60 (1) के तहत ईपीसी योजना, 1962 के पैरा 60 के प्रावधानों के अनुसार ईपीएफ योजना के प्रत्येक सदस्य के खाते में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 8.15 प्रतिशत की दर से ब्याज जमा करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

'करदाता के अनुकूल हो कर नीतियां'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज आयकर विभाग को पारदर्शी, उद्देश्यपूर्ण और करदाता अनुकूल होने की अपील करते हुये आज कहा कि कर में बढोतरी नहीं की गयी है लेकिन लोगों के आगे आकर कर चुकाने से कर राजस्व में वृद्धि हो रही है।

श्रीमती सीतारमण ने आयकर विभाग के 164वें आयकर दिवस पर केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम को यहां देर शाम संबोधित करते हुये कहा कि प्रत्यक्ष कर के क्षेत्र में पिछले एक वर्ष में बहुत बदलाव आया है और बदलाव की जरूरत हमेशा बनी रहती है।

वित्त मंत्री ने फेसलेस अस्सेमेंट से लेकर नोटिसों के फेसलेस प्रक्रिया से निपटान किये जाने का उल्लेख करते हुये कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर 55 हजार नोटिसों को मई 2023 तक निपटा दिया गया है और मार्च 2024 तक एक लाख और नोटिस निपटाये जाने हैं। उन्होंने फेसलेस अरसेमेंट वरदान साबित हो रहा है। इसके साथ ही तत्काल पैन जारी करना भी मददगार रहा है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि नई आयकर व्यवस्था में 7.27 लाख रुपये तक कोई कर नहीं है। इस सरकार ने कर में कोई बढोतरी नहीं की है लेकिन कर राजस्व में वृद्धि जारी है। इसलिए कर करदाता अनुकूल होनी चाहिए। उन्होंने आयकर विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को आत्ममंथन करने की सलाह देते हुये कहा कि हमें ऐसी कर व्यवस्था बनानी है जो वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र में मददगार होने के साथ ही कर का दायरा भी बढाये और कर राजस्व में भी बढोतरी करे।

मणिपुर मुद्दे पर सरकार चर्चा को तैयार, विपक्ष चर्चा होने दे और सच्चाई सामने आने दे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मणिपुर के मुद्दे पर संसद में जारी गतिरोध के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सरकार इस बेहद संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा को तैयार है और विपक्ष से आग्रह है कि वे चर्चा होने दें और सच्चाई सामने आने दें। संसद का मानसून सत्र शुरू होने के बाद से ही विपक्ष दलों के सदस्य मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान और फिर चर्चा कराने की मांग कर रहे हैं। इसके कारण संसद के दोनों सदनों में कामकाज बाधित रहा है।

सोमवार को तीन बार के स्थगन के अपराह्न ढाई बजे कार्यवाही शुरू होने पर गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा कि सरकार मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष से आग्रह है कि वे चर्चा होने दें और सच्चाई सामने आने दें। उन्होंने कहा, सदस्यों से आग्रह है कि बहुत संवेदनशील मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष..दोनों ओर के सदस्यों ने चर्चा की मांग की है। मैं सदन में चर्चा के लिए तैयार हूं। शाह ने कहा, मुझे नहीं मालूम कि विपक्ष संसद में चर्चा क्यों नहीं होने दे रहा है। गृह मंत्री ने कहा, मेरा विपक्ष के नेताओं से आग्रह है कि चर्चा होने दें और इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर पूरे देश के सामने सच्चाई आने दें।

एटीएस ने उप्र में अवैध रूप से रह रहे 74 रोहिंग्या लोगों को किया गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने सोमवार को राज्यव्यापी अभियान चलाकर प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे 74 रोहिंग्या लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने यहां एक बयान में बताया कि एटीएस को सूचना मिल रही थी कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में कुछ रोहिंग्या लोग अवैध तरीके से रह रहे हैं। इस पर एटीएस ने स्थानीय पुलिस इकाइयों की मदद से एक अभियान चलाया और कुल 74 रोहिंग्या लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार रोहिंग्या लोगों में 16 महिलाएं और लड़कियां तथा 58 पुरुष शामिल हैं।

ट्वीटर की नीली चिड़िया उड़ी, एक्स बना नया लोगो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/एपी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्वीटर को नया 'लोगो' मिल गया है। अब नीली चिड़िया की जगह काले-सफेद रंग के 'एक्स' ने ले ली है। ट्वीटर के मालिक एलन मस्क ने इसकी घोषणा की। उन्होंने पिछले साल 44 अरब डॉलर में ट्वीटर को खरीदा था। इसके बाद उन्होंने साइट में कई बदलाव किए हैं।

मस्क ने सोमवार को अपने ट्वीटर अकाउंट का 'लोगो' बदल दिया। ट्वीटर के डेस्कटॉप वर्जन पर बदला हुआ लोगो दिखने लगा है, लेकिन फोन ऐप पर अब भी चिड़िया ही दिखाई दे रही है।

मस्क ने अपने प्रशंसकों से लोगो के बारे में सुझाव देने और एक लोगो चुनने के लिए कहा था। उन्होंने रविवार देर रात ट्वीट करके बताया था कि वह 'लोगो' में बदलाव सोमवार को ही करना चाहते हैं।

मस्क ने लिखा था, और जल्द ही हम ट्वीटर ब्रांड तथा सभी चिड़ियों को अलविदा कह देंगे। मस्क से जब पूछा गया कि जब लोगो बदल जाएगा तब 'ट्वीट' को क्या कहा जाएगा, तो उन्होंने कहा कि इसे 'एक्स' कहा जाएगा।

अनुशासन के लिए कठोर कदम अनिवार्य : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उपभोक्ताओं तथा उद्योग और व्यापार से जुड़े लोगों से आर्थिक राष्ट्रवाद अपनाने का आह्वान करते हुए सोमवार को कहा कि अनुशासन बनाए रखने के लिए कभी-कभी कठोर कदम उठाना अपरिहार्य हो जाता है।

उपराष्ट्रपति ने यहां भारतीय वन सेवा के 54वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कभी कभी अनुशासन बनाए रखने के लिए कठोर कदम उठाना अपरिहार्य हो जाता है अन्यथा लोकतंत्र के मंदिरों की प्रतिष्ठा का क्षय होने लगेगा। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के सभापति के रूप में उनका यही प्रयास रहा है कि लोकतंत्र के मंदिरों में अनुशासन रहे। उन्होंने कहा कि अनुशासन के बिना विकास संभव ही नहीं।

उन्होंने कहा कि सरकार के हाल के कदमों से बिचौलिए समाप्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि अब जब कानून अपना काम कर रहा है तो भ्रष्टाचार में फंसे लोगों पर आंच आ रही है। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया से बचने के लिए सड़क पर प्रदर्शन किये जाने को उचित नहीं ठहराया जा सकता है और भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को कानून की गिरफ्त से छूट नहीं दी जा सकती है।

आर्थिक राष्ट्रवाद का आह्वान करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि थोड़े से लाभ के लिए उपभोक्ताओं तथा व्यापारियों को विदेशी समान को प्राथमिकता देना सही नहीं है।

मणिपुर: केंद्रीय मंत्री आर.के. रंजन सिंह के आवास पर फिर हुआ हमला

इंफाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री आर.के. रंजन सिंह के यहां स्थित आवास के बाहर महिलाओं की एक रैली ने उस वक्त उग्र रूप धारण कर लिया, जब प्रदर्शनकारियों ने उस पर (आवास पर) पथराव किया। प्रदर्शकारी, मंत्री से जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में स्थिति पर संसद में बयान देने की मांग कर रहे थे। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री सिंह के आवास पर दो महीने में हुआ यह दूसरा हमला है। इस बीच, मणिपुर विश्वविद्यालय के छात्रों ने राज्य में शांति बहाल करने की मांग करते हुए दिन में एक रैली निकाली। पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे क्योंकि युवक उस इलाके से गुजर रहे थे, जिसमें उन्हें रैली करने की अनुमति नहीं थी।

पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश कट्टरपंथी उपदेशक पर आतंकवाद संबंधी आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशक अंजेम चौधरी पर आतंकवाद से संबंधित अपराधों का आरोप लगाया गया है और उसे सोमवार को लंदन की अदालत में पेश किया जाएगा। चौधरी के पास ब्रिटेन और पाकिस्तान की दोहरी नागरिकता है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने 56 वर्षीय चौधरी पर रविवार को एक प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता लेने और एक प्रतिबंधित संगठन के समर्थन में सभाओं को संबोधित करने का आरोप लगाया था।

एक प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता के आरोप में संबंधित आतंकवाद रोधी जांच में एक कनाडाई नागरिक खालिद हुसैन (28) को भी गिरफ्तार किया गया है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने सोमवार को कहा, एक प्रतिबंधित संगठन की कथित सदस्यता की जांच कर रहे मेट्रोपॉलिटल पुलिस के आतंकवाद रोधी जांचकर्ताओं ने सोमवार, 17 जुलाई को पूर्वी लंदन में 56 वर्षीय एक व्यक्ति और हीथ्रो हवाई अड्डे पर 28 वर्षीय एक कनाडाई नागरिक को गिरफ्तार किया। बयान में कहा गया, उन्हें आतंकवाद रोधी अधिनियम 2000 की धारा 41 के तहत पकड़ा गया है। जांचकर्ताओं को हिरासत वारंट दिए गए, जिससे उन्हें दोनों गिरफ्तार व्यक्तियों को सोमवार, 24 जुलाई तक हिरासत में रखने की अनुमति मिल गई।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव दूर भविष्य में नहीं, बल्कि अभी ही आ रहे हैं सामने : पी के मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव पी के मिश्रा ने सोमवार को जी-20 आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्य समूह की बैठक में आगाह करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित आपदाओं का प्रभाव अब दूर भविष्य में नहीं, बल्कि अभी ही सामने आ रहा है और यह बहुत बड़ा है। मिश्रा ने चेन्नई में आयोजित जी20 आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्य समूह की तीसरी बैठक में अपने उद्घाटन भाषण में कहा, छोटे बदलावों का समय बीत चुका है। हमें नए आपदा जोखिमों को रोकने और मौजूदा आपदा जोखिमों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक प्रणालियों में बदलाव करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत ने जी20 की अध्यक्षता के पिछले आठ महीनों के दौरान उत्साहपूर्वक भाग लिया है। उन्होंने कहा कि देश भर में 56 स्थानों पर अब तक 177 बैठकें हो चुकी हैं।

मिश्रा ने कहा, विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने विचार-विमर्श में सक्रिय रूप से भाग लिया है। उन्हें भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विविधता की भी झलक मिली है। जी20 एजेंडे के महत्वपूर्ण पहलुओं में काफी प्रगति हुई है। मुझे यकीन है कि डेढ़ महीने में होने वाली शिखर बैठक एक ऐतिहासिक घटना होगी। उन्होंने कहा कि इस कार्य समूह की पहली बैठक मार्च में गांधीनगर में हुई थी। उन्होंने कहा कि तब से दुनिया ने कुछ अभूतपूर्व आपदाएं देखी हैं। मिश्रा ने चुनौतियों के पैमाने को

रेखांकित करने के लिए कुछ मौसमी घटनाओं का हवाला दिया, जिनमें लगभग पूरे उत्तरी गोलार्ध के शहरों में लू चलने, कनाडा में जंगलों में आग लगने और उत्तर अमेरिका के कई हिस्सों में धुंध के कारण शहरों के प्रभावित होने तथा पिछले 45 वर्षों में दिल्ली में सबसे भीषण बाढ़ आना शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत ने भी अपने पूर्वी और पश्चिमी तटों पर प्रमुख चक्रवाती गतिविधि देखी है। मिश्रा ने कहा, जलवायु परिवर्तन से संबंधित आपदाओं का प्रभाव अब दूर भविष्य में नहीं, वह पहले ही सामने है और बहुत बड़ा है। वे आपस में जुड़े हुए हैं और वे पूरे ग्रह पर हर किसी को प्रभावित करते हैं। आज दुनिया जिन चुनौतियों का सामना कर रही है, वे इस कार्य समूह के महत्व को रेखांकित करती हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि समूह ने चार महीने की छोटी सी अवधि में काफी प्रगति की है और अच्छी गति उत्पन्न की है, लेकिन इसे और अधिक करने की जरूरत है। मिश्रा ने कहा, इस कार्य समूह की महत्वाकांक्षा हमारे सामने आने वाली समस्याओं के पैमाने से मेल खानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह एक तथ्य है कि अलग-अलग राष्ट्रीय और वैश्विक प्रयासों में सक्रिय रूप आपसी मेल होना चाहिए ताकि उनके सामूहिक प्रभाव को अधिकतम किया जा सके। उन्होंने कहा कि समूह टुकड़ों में प्रयासों को बर्दाश्त नहीं कर सकता जो संकीर्ण संस्थागत दृष्टिकोण से प्रेरित हों।

मिश्रा ने कहा, हमें समस्या-समाधान दृष्टिकोण से प्रेरित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव की सभी के लिए प्रारंभिक चेतावनी पहल इस दृष्टिकोण का एक उदाहरण है। उन्होंने कहा, आपदा जोखिम न्यूनीकरण के वित्तपोषण के क्षेत्र में, यह महत्वपूर्ण है कि हम आपदा जोखिम न्यूनीकरण के सभी पहलुओं के वित्तपोषण के लिए सभी स्तरों पर संरचनात्मक तंत्र अपनाएं। भारत में पिछले कुछ वर्षों में, हमने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के वित्तपोषण के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। उन्होंने कहा, अब हमारे पास न केवल आपदा प्रतिक्रिया, बल्कि आपदा शमन, तैयारी और बहाली के वित्तपोषण के लिए एक पूर्वानुमानित तंत्र है। क्या हमारे पास वैश्विक स्तर पर भी इसी तरह की व्यवस्था हो सकती है?

मिश्रा ने कहा कि समूह को आपदा जोखिम में कमी के लिए उपलब्ध वित्तपोषण की विभिन्न धाराओं के बीच अधिक अभिसरण करने की आवश्यकता है और जलवायु वित्त को आपदा जोखिम में कमी के लिए वित्तपोषण का एक अभिन्न अंग होना चाहिए।

केंद्र, राज्य की 153 परियोजनाएं पर्यावरण प्रभाव आकलन के विभिन्न चरणों में : भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को लोकसभा को बताया कि केंद्र, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित कुल 153 प्रस्ताव संशोधित पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार विचार किए जाने के विभिन्न चरणों में हैं।

लोकसभा में सुब्रत पाठक एवं खगेन मुर्मू के प्रश्न के उत्तर में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने यह जानकारी दी। सदस्यों ने पूछा था कि क्या केंद्र और राज्य सरकारों की परियोजनाएं पर्यावरणीय स्वीकृति के अभाव में विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के पास लंबित हैं। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा, परिवेश पोर्टल पर 20 जुलाई 2023 को उपलब्ध सूचना के अनुसार, संशोधित पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार, केंद्र/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों से संबंधित कुल 153 प्रस्ताव विचार किए जाने के विभिन्न चरणों में हैं। इसमें महाराष्ट्र की 45 परियोजनाएं, तमिलनाडु की 26 और पंजाब की 12 परियोजनाएं शामिल हैं। वन एवं पर्यावरण मंत्री ने बताया कि यथा संशोधित पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार, विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) या राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) द्वारा जन परामर्श में उठाए गए मुद्दों का समाधान करने हेतु तैयार की गई पर्यावरण प्रबंध योजना पर विचार करके प्रस्तावों का मूल्यांकन किया जाता है और उन्हें अनुशंसित किया जाता है।

हरिद्वार में हालिया बाढ़ से 53,000 हेक्टेयर में बोई गई फसल बर्बाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के लक्सर, खानपुर और मंगलौर में हालिया बाढ़ से 53,000 हेक्टेयर से अधिक रकबे में बोई गई फसल नष्ट हो गई है। राज्य के कृषि मंत्री ने यह जानकारी दी है।

उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को जिले के 35 से अधिक बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि शुरुआती अनुमान के अनुसार नुकसान लगभग 38 करोड़ रुपए का होने का आंका गया है। जिले में 91 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे में फसलें बोई गई थीं। जोशी ने कहा कि क्षतिग्रस्त फसलों में गन्ना, धान और सब्जियां शामिल हैं। प्रभावित क्षेत्रों को आपदा प्रभावित घोषित किया जाएगा और किसानों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुआवजे के अलावा वह मुख्यमंत्री से केंद्र सरकार के मानदंडों के अनुसार किसानों को आपदा राहत कोष से वित्तीय सहायता प्रदान करने का अनुरोध करेंगे। जोशी ने कहा कि पुष्कर सिंह धामी सरकार आपदा प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों से कृषि ऋण की वसूली पर तीन महीने की रोक रहेगी और उनकी ब्याज माफी की मांग पर भी विचार किया जाएगा। जोशी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य अवसंरचना और औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड के रासायनिक अपशिष्ट, जो बाढ़ के दौरान खेतों में चले गए, ने भी फसलों को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को इस मामले को देखने के लिए कहा गया है।

मप्र की भाजपा सरकार में अपमान के घूंट पी रहे हैं दलित, आदिवासी : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मध्य प्रदेश के छतरपुर में एक दलित व्यक्ति के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटना की निंदा करते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित इस राज्य में दलितों, आदवासियों और पिछड़े वर्गों को अपमान का घूंट पीना पड़ रहा है।

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एक दलित व्यक्ति ने पिछले दिनों आरोप लगाया कि दूसरी जाति के एक व्यक्ति ने उसके चेहरे और शरीर पर मानव मल लगा दिया, क्योंकि दलित व्यक्ति ने गलती से उसे ग्रीस लगे हाथ से छू लिया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि छतरपुर की घटना के संबंध में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने

वाले आरोपी रामकृपाल पटेल के खिलाफ भादंसं की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। इस घटना को लेकर खरगे ने ट्वीट किया, मप्र में 1 महीनें में ही दलित-आदिवासी अत्याचार की दूसरी बेहद निंदनीय व पीड़ादायक वारदात हुई है, जो मानवता को शर्मसार कर देने वाली है। एनसीआरबी-2021 के मुताबिक़, भाजपा शासित मप्र में दलितों के ख़िलाफ़ अपराध दर सबसे ज़्यादा है, आदिवासियों के ख़िलाफ़ सबसे अधिक अपराध हुए है, हर दिन सात से ज़्यादा अपराध हुए।

अजित पवार को 10 अगस्त के आसपास महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाया जाएगा: पृथ्वीराज चव्हाण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने सोमवार को दावा किया कि 10 अगस्त के आसपास महाराष्ट्र के मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को हटाकर उनकी जगह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार को लाया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री शिंदे और शिवसेना के 15 अन्य विधायकों को अयोग्य ठहराने का फैसला 10 अगस्त के आसपास किया जाएगा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक क्षेत्रीय समाचार चैनल से कहा, शिंदे और अन्य विधायकों को अयोग्य ठहराने का फैसला लेने के बाद निवर्तमान उपमुख्यमंत्री अजित पवार को 10 अगस्त के करीब नया मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

पृथ्वीराज चव्हाण ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शिंदे के नेतृत्व में अगला लोकसभा चुनाव लड़ने को इच्छुक नहीं है क्योंकि ''उनका उनके गृह जिले ठाणे के बाहर प्रभाव नहीं है। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी के पास अब अजित पवार के रूप में विकल्प है। चव्हाण ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम करने का तरीका ''इस्तेमाल करो और फेंक दो का है। उन्होंने कहा, शिंदे का यह भाग्य है। भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व की समझ संकेत दे रही है कि वे अजित पवार को मुख्यमंत्री और चुनाव का चेहरा बनाना चाहते हैं।

भारतीय तटरक्षक बल का कमाल

बीच समुद्र में अभियान चलाकर बचाई नाविक की जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। भारतीय तटरक्षक बल ने सोमवार को केरल में बीच समुद्र में जोखिमपूर्ण अभियान चलाकर एक निजी टैंकर से आघात (स्ट्रोक) और आंशिक लकवे से पीड़ित नाविक को बचा लिया। चुनौतीपूर्ण मौसमी हालात के बीच चलाए गए इस अभियान में तटरक्षकों ने आधुनिक हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) एमके-3 का इस्तेमाल किया। तटरक्षक बल ने बताया कि उसे सोमवार को सेंट्रो इंटरनेजियनेल रेडियो मेडिक (सीआईआरएम), इटली की ओर से प्रदीप दास नाविक के संकट में घिरे होने की सूचना मिली।

तटरक्षक बल ने एक बयान में कहा कि सीआईआरएम ने बताया था कि मोटर टैंकर ग्लोबल स्टार पर सवार नाविक को आघात होने और उसके उच्च रक्तचाप व दाईं ओर आंशिक लकवे से पीड़ित होने का संदेह है और उसे जल्द से जल्द बाहर निकालने की जरूरत है। इसके बाद कोच्चि में स्थित समुद्री बचाव उप-केंद्र (एमआरएससी) को अभियान के समन्वय का काम सौंपा गया और इसने टेलीमेडिकल सहायता प्रदान करने तथा संकटग्रस्त नाविक को निकालने की योजना बनाने के लिए जहाज से संपर्क स्थापित किया।

बयान में कहा गया है, स्थिति की संवेदनशीलता के मद्देनजर, समुद्र में ऊंची लहरें उठने और मौजूदा मौसम स्थिति को समझते हुए तटरक्षक बल के आधुनिक हल्के हेलीकॉप्टर ने 24 जुलाई की सुबह कोच्चि से 112 समुद्री मील की दूरी पर बीच समुद्र में बचाव अभियान चलाया। बयान में कहा गया है, चुनौतीपूर्ण मौसम, उफनते समुद्र, भारी बारिश और खराब दृश्यता के बीच, आईसीजी के पेशेवर पायलट कम से कम समय में एमटी ग्लोबल स्टार के पास पहुंचे और संकटग्रस्त नाविक को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया।

'मेरे पति को भारत में रहने दें या फिर मुझे भी पाकिस्तान भेज दिया जाए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नंदयाल (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश में 35 वर्षीय भारतीय महिला ने अधिकारियों से हाल में जेल से रिहा हुए पाकिस्तान के नागरिक अपने पति को भारत में रहने देने या अपने पांच बच्चों को लेकर उसके साथ पाकिस्तान जाने देने की अपील की है। पाकिस्तानी नागरिक शेख गुलजार खान उर्फ गुलजार मसीह (51) को पिछले सप्ताह हैदराबाद के निकट चेरलापल्ली केंद्रीय कारागार से रिहा किया गया था।

आंध्र प्रदेश के नांदयाल जिले में रहने वाली भारतीय नागरिक दौलत बी ने गुलजार की हिरासत को लेकर तेलंगाना उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसके बाद गुलजार को रिहा किया गया। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सियालकोट के रहने वाले गुलजार को 2011 में जाली दस्तावेजों और अवैध रूप से भारत में दाखिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। गुलजार ने दौलत बी से शादी की थी और वह नांदयाल में पुताई का काम करता था। पहले ही एक बच्चे की मां बी ने गुलजार से शादी की और फिर दोनों के चार बच्चे हुए।

दौलत बी ने कहा, मेरे पति को यहीं रहना है। उन्हें यहां रहने का अवसर दिया जाना चाहिए। यही मेरी इच्छा है। जब मेरी बारी आएगी तो मैं यह बात अदालत को बताऊंगी। वह हैदराबाद में तेलंगाना उच्च न्यायालय जाने की तैयारी कर रही हैं जहां 27 जुलाई को उनके पति के मामले पर सुनवाई होनी है। महिला ने कहा कि उन्होंने अब तक अपने पति के मामले में किसी भी प्राधिकारी से अपील नहीं की है, लेकिन अब वह ऐसा करेंगी।

भारत, ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते पर 11वें दौर की बातचीत पूरी की

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारत और ब्रिटेन ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए 11वें दौर की बातचीत पूरी कर ली है। अगले दौर की वार्ता आने वाले महीनों में होगी। भारत और ब्रिटेन समझौते के तहत बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और उत्पत्ति के नियमों जैसे मुद्दों पर मतभेदों को दूर करने के लिए काम कर रहे हैं। इसके लिए बातचीत 2021 में शुरू हुई थी। मंत्रालय ने कहा, ब्रिटेन और भारत ने 18 जुलाई को एफटीए के लिए 11वें दौर की वार्ता पूरी की। इस दौरान 42 से अधिक अलग-अलग सत्रों में नीतियों से जुड़े नौ क्षेत्रों में तकनीकी चर्चाएं की गईं। उन्होंने संबंधित नीतिगत क्षेत्रों में समझौते के विस्तृत मसौदे पर चर्चा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 11वें दौर की बातचीत के लिए ब्रिटेन गए थे। उन्होंने ब्रिटेन की व्यवसाय और व्यापार मंत्री केमी बडेनोच और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री निगेल हडलस्टन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बातचीत में आगे बढ़ने के उपायों और ब्रिटेन तथा भारत के लिए व्यापक व्यापार और निवेश के अवसरों पर चर्चा की।

वैश्विक आर्थिक वृद्धि के लिए एक करिश्माई नेतृत्व प्रदान कर रहा है भारत : कुमार मंगलम बिड़ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा है कि भारत की आर्थिक दास्तान एक 'अधिक चमकदार तस्वीर' पेश करता है और ढांचागत क्षेत्र को सरकार के प्रोत्साहन और व्यावहारिक नीतियों से निजी क्षेत्र का पूंजीगत व्यय बढ़ा है।

आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन बिड़ला ने अल्ट्राटेक सीमेंट की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा है कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि के विशाल रंगमंच पर भारत सिर्फ एक दर्शक के रूप में खड़ा न होकर एक करिश्माई नेतृत्व प्रदान कर रहा है। बिड़ला ने कहा, ढांचागत क्षेत्र में निवेश को

सरकार के प्रोत्साहन और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) जैसी व्यावहारिक नीतियों से निजी क्षेत्र का पूंजीगत व्यय बढ़ा है। इससे कई वर्षों तक चलने वाला तेजी का दौर शुरू होता है जो नरम पड़ती वैश्विक मांग में भी आर्थिक वृद्धि को मूल्यवान समर्थन देता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर परिचालन करने वाली कंपनियां अब 'चीन प्लस वन' रणनीति के तहत अन्य देशों पर नजरें टिकाए हुए हैं और भारत इस स्थिति का फायदा उठाने के लिए बेहतर स्थिति में है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर और भारत में मुद्रास्फीति के अब चरम पर पहुंच जाने का जिक्र करते हुए कहा, मुद्रास्फीति में कमी, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और बैंक संपत्तियों की गुणवत्ता में सुधार वैश्विक बाजारों में संभावित अस्थिर घटनाओं के खिलाफ एक बड़ा सहारा प्रदान करता है।

उन्होंने कहा, किसी भी औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास का एक प्रमुख घटक आत्मविश्वास से भरपूर एवं कुशल कार्यबल की मौजूदगी है। भारत ने जनसंख्या के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है और पहले से ही यहां विश्व स्तर पर सबसे बड़ी और सबसे युवा कामकाजी उम्र वाली आबादी है।

पिछले वित्त वर्ष में 7.4 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न भरा: सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में आयकर रिटर्न भरने वालों की संख्या 6.18 प्रतिशत बढ़कर 7.40 करोड़ हो गई और इनमें से करीब 5.16 करोड़ लोगों ने बताया कि उनकी कोई कर देनदारी नहीं हैं। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। सीतारमण ने कहा, वर्ष 2022-23 में इसके पहले के वित्त वर्ष के मुकाबले आयकर रिटर्न भरने वालों की संख्या में 6.18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 20.33 प्रतिशत बढ़कर 19.68 लाख करोड़ रुपए हो गया।

टी वी नरेंद्रन फिर बने टाटा स्टील के सीईओ और प्रबंध निदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टाटा स्टील ने टी वी नरेंद्रन को पांच साल के एक और कार्यकाल के लिए कंपनी का प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि नरेंद्रन का नया कार्यकाल 19 सितंबर से शुरू होगा। उनका मौजूदा कार्यकाल 18 सितंबर को खत्म होने वाला है।

टाटा स्टील ने कहा कि इस नियुक्ति पर शेयरधारकों की मंजूरी लेनी अभी बाकी है। नरेंद्रन को अक्टूबर, 2017 में कंपनी का सीईओ एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया था। इसके पहले वह एक नवंबर, 2013 को कंपनी के प्रबंध निदेशक (भारत एवं दक्षिण-पूर्व एशिया) बनाए गए थे।

होटल कारोबार को अलग करेगी आईटीसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विभिन्न कारोबार से जुड़े समूह आईटीसी ने सोमवार को कहा कि वह पूर्ण अनुषंगी इकाई आईटीसी होटल्स लि. का गठन कर अपने होटल कारोबार को अलग करेगा। कंपनी ने कहा कि होटल कारोबार के आगे बढ़ने के साथ यह तेजी से बढ़ते होटल क्षेत्र में अलग इकाई के रूप में अपने दम पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

आईटीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, आईटीसी लि. के निदेशक मंडल ने 24 जुलाई को हुई बैठक में होटल कारोबार के लिए विभिन्न वैकल्पिक ढांचों का आकलन किया और उसपर चर्चा की। विचार-विमर्श के बाद, निदेशक मंडल ने होटल कारोबार को व्यवस्था योजना (कंपनी के कारोबार पुनर्गठन को लेकर कंपनी और शेयरधारकों या कर्जदाताओं के बीच समझौता) के तहत अलग करने को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। निदेशक मंडल ने पूर्ण अनुषंगी इकाई आईटीसी होटल्स लि. के गठन को भी मंजूरी दे दी। यह अनुषंगी इकाई समूह के होटल व संबंधित कारोबार का जिम्मा संभालेगी। आईटीसी ने कहा कि कंपनी के पास नई इकाई में 40% की हिस्सेदारी है और लगभग 60% की बची हिस्सेदारी कंपनी के शेयरधारकों के पास होगी। यह कंपनी में उनकी हिस्सेदारी के अनुपात में होगी।

व्यवस्था योजना को मंजूरी के लिए निदेशक मंडल की 14 अगस्त, 2023 को होने वाली बैठक में रखा जाएगा। आईटीसी लि. के चेयरमैन संजीव पुरी ने कहा, होटल केंद्रित इकाई का गठन भारतीय होटल व संबंधित उद्योग में अवसरों का उपयोग करके विकास और मूल्य सृजन आगे बढ़ाने में मददगार होगा। प्रस्तावित पुनर्गठन में आईटीसी और नई इकाई दोनों को संस्थागत तालमेल से लाभ मिलता रहेगा। कंपनी ने कहा, अलग होने वाली नई इकाई से उपयुक्त निवेशकों व रणनीतिक भागीदारों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी...।

साथ ही प्रस्तावित पुनर्गठन होटल एवं संबंधित कारोबार में कंपनी के निरंतर हितों को सुनिश्चित करेगा। साथ ही वृद्धि को गति देने और निरंतर मूल्य सृजन की दिशा में नई इकाई को दीर्घकालिक स्थिरता और रणनीतिक समर्थन प्रदान करेगा... आईटीसी होटल्स की शुरुआत 1975 में हुई थी। कंपनी के पास 70 से अधिक स्थानों पर 120 होटल हैं।

हर नागरिक को पासपोर्ट रखने का कानूनी अधिकार है: दिल्ली उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि पासपोर्ट रखना हर नागरिक का कानूनी अधिकार है और प्राधिकारी महज़ पासपोर्ट के दुरुपयोग की आशंका पर इसका नवीनीकरण करने से इनकार नहीं कर सकते।

अदालत ने यह टिप्पणी पासपोर्ट में उल्लेखित जन्मतिथि में बदलाव करने का आग्रह करने वाले भारतीय नागरिक की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। उच्च न्यायालय ने कहा कि यात्रा दस्तावेज़ से इनकार करना एक नागरिक के अधिकारियों को गंभीर रूप से बाधित करता है और अधिकारी कानून में बताए गए आधार पर ही पासपोर्ट का नवीनीकरण करने से इनकार कर सकते हैं या इसे रद्द कर सकते हैं। मौजूदा मामले में अधिकारियों ने याचिकाकर्ता के पासपोर्ट को जन्मतिथि के साथ अपडेट करने से इस आधार पर इनकार कर दिया था कि सुधार का दावा वास्तविक नहीं लगता है।

पासपोर्ट प्राधिकरण के वकील ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को पहला पासपोर्ट जारी किए 14 साल बीत चुके हैं और अगर इसका नवीनीकरण किया जाता है या नई जन्मतिथि के साथ फिर से जारी किया जाता है तो वह यात्रा दस्तावेज का दुरुपयोग कर सकता है। अदालत ने आपत्ति को खारिज करते हुए रेखांकित किया कि अधिकारियों ने याची के नवीनीकृत आवेदन को खारिज करने का कोई आधार नहीं बताया और आवेदन को वैध सरकारी दस्तावेजों के साथ भरा गया था। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने हाल के आदेश में कहा, हर नागरिक के पास पासपोर्ट रखने का कानूनी अधिकार है और इसे कानून के मुताबिक ही छीना जा सकता है। अधिकारी कानून के तहत बताई गई प्रक्रिया का पालन करने के लिए बाध्य हैं और कानून में उल्लेखित आधार के तहत पासपोर्ट को नवीनीकृत करने से इनकार कर सकते हैं या पासपोर्ट को रद्द कर सकते हैं। आदेश में कहा गया है कि मौजूदा मामले में प्रतिवादी ने सिर्फ यह आशंका जताई है कि 11 फरवरी 2003 और दो जुलाई 2007 को जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर जारी किए गए पहले के पासपोर्ट का दुरुपयोग किया गया हो सकता है जो पासपोर्ट जारी करने से इनकार का वैध कारण नहीं है। अदालत ने कहा है कि याचिकाकर्ता के माता-पिता द्वारा गलत जन्मतिथि देकर की गई गलती के लिए याचिकाकर्ता को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं।

अणु जागरूकता यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 'राष्ट्र की सेवा में परमाणु' विषय पर अणु जागरूकता यात्रा – 2023 नामक एक जागरूकता कार्यक्रम इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर), कलपक्कम द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, विज्ञान भारती – अरियिवल संगम, तमिलनाडु और इंडियन एसोसिएशन फॉर रेडिएशन प्रोटेक्शन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में स्वदेशी प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए तमिलनाडु के 7 और केरल के 3 जिलों में नोडल संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 24 जुलाई, 2023 को आईजीसीएआर, कलपक्कम के साराभाई ऑडिटोरियम में पर्दा उठाने वाला कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

रेडियोलॉजिकल और पर्यावरण सुरक्षा समूह की एसोसिएट निदेशक डॉ. विद्या सुंदरराजन ने स्वागत भाषण दिया और रेडियोलॉजिकल और पर्यावरण सुरक्षा प्रभाग के प्रमुख डॉ. वी. सुब्रमण्यम ने इस विशेष अणु जागरूकता यात्रा – 2023 के मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला। आईजीसीएआर के निदेशक डॉ. बी. वेंकटरमन ने यात्रा की उत्पत्ति को रेखांकित करते हुए अध्यक्षीय भाषण दिया और संकेत दिया कि यह यात्रा मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों के बीच वैज्ञानिक जिज्ञासा पैदा करने और परमाणु ऊर्जा की आवश्यकता और परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा विकसित स्पिन-ऑफ प्रौद्योगिकियों पर जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित की जाती है।

विश्वेश्वरैया औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी संग्रहालय (वीआईटीएम) की निदेशक सुश्री केए साधना ने विशेष संबोधन दिया और बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि जगाने के लिए वीआईटीएम द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों पर बात की। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि एनएससीएम की एक मोबाइल वैन जिसे 'साइंस ऑन व्हील्स' कहा जाता है, प्रदर्शनी देखने वाले छात्रों के लिए व्यावहारिक अनुभव बनाने के लिए सभी स्थानों पर इस यात्रा के साथ जाएगी। विभा के राज्य सचिव श्री गोपाल पार्थसारथी ने अरियिवल संगम की गतिविधियों और दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. अजीत कुमार मोहंती, अध्यक्ष एईसी और सचिव डीएई ने एक संदेश के माध्यम से सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा

परमाणु ऊर्जा हमारे देश की ऊर्जा टोकरी में और शुद्ध शून्य-कार्बन की दिशा में हमारे प्रयासों में एक आवश्यक घटक है। डीएई ने इस दिशा में परमाणु रिएक्टरों का फ्लीट मोड विकास शुरू किया है। परमाणु ऊर्जा के अलावा, बीएआरएस हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। ऊर्जा क्षेत्र के अलावा, परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्पिन-ऑफ के कई सामाजिक अनुप्रयोग हैं। डीएई ने स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, खाद्य संरक्षण, औद्योगिक क्षेत्र, कीचड़ स्वच्छता जैसे कुछ क्षेत्रों में विकिरण आधारित प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग का बीड़ा उठाया है। धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण मूल्यांकन अनुभाग के प्रमुख डॉ. एस. चन्द्रशेखरन द्वारा दिया गया।

सुश्री जलजा मदन मोहन, प्रमुख, टीसीपीएएस और उनकी टीम द्वारा एनसीएसएम के साथ एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था, जिसमें भारतीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीन चरणों और परमाणु ऊर्जा के सामाजिक अनुप्रयोगों के मॉडल थे, जिसे लगभग 200 छात्रों ने देखा। यात्रा को आईजीसीएआर में सुश्री केए साधना और निदेशक, आईजीसीएआर के गोपाल पार्थसारथी ने और आईजीसीएआर के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पंजीकरण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेलम जिले के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, थोप्पुर में कलैगनार मगलिर उरीमाई थोगाई योजना के लिए पंजीकरण शिविर का उद्घाटन के मौके पर उपस्थित मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

मुर्मू छह अगस्त को चेन्नई के दौरे पर आएंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मद्रास विश्वविद्यालय के 165वें दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए छह अगस्त को चेन्नई आएंगी। अधिकारियों ने सोमवार को यहां यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि श्रीमती मुर्मू शहर के कलैवनार अरंगम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में दीक्षांत भाषण देंगी।

रामनाथपुरम के किसानों ने तमिलनाडु सरकार से जैविक मिर्च की खेती को बढ़ावा देने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रामनाथपुरम में मिर्च किसानों ने तमिलनाडु सरकार से उर्वरक मुक्त, जैविक मिर्च की खेती को बढ़ावा देने का आग्रह किया है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में खरीदार जैविक मिर्च पर जोर दे रहे हैं। के.आर. रामनाथपुरम के एक किसान ने बताया कि उन्होंने अपने खेतों और पट्टे की कृषि भूमि पर सांबा मिर्च की खेती की है और संयुक्त राज्य अमेरिका और जर्मन बाजारों में 100 टन का निर्यात किया है। उन्होंने कहा कि इस बात की कड़ी जांच की गई कि यह उर्वरक मुक्त और जैविक रूप से उत्पादित मिर्च है या नहीं। किसान ने कहा कि अगर उन्होंने जैविक खेती नहीं की होती तो मिर्च की खेप खारिज हो जाती जिससे भारी नुकसान होता। कुसलन ने कहा कि किसानों को ऐसे मुद्दों के बारे में जागरूक करना होगा और सरकार से जैविक खेती को बढ़ावा देने का आग्रह किया। रामनाथपुरम के किसानों को सांबा और मुंडू की मिर्च की खेती से लाभ मिल रहा है।

एक और किसान ने बताया कि मिर्च की खेती के क्षेत्र में वृद्धि हुई है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों बाजारों में मिर्च की कीमतें और मांग बढ़ी है। मिर्च की खेती करने वाले किसान वीआर कृष्णास्वामी ने कहा कि सरकार को जिले से निर्यात की जाने वाली मिर्च की मात्रा को सुविधाजनक बनाने और बढ़ाने के लिए भंडारण और प्रसंस्करण केंद्रों के मुद्दे पर तुरंत ध्यान देना चाहिए।

मिर्च की दो लोकप्रिय किस्मों- सांबा और मुंडू की कीमतें लगातार 200 रुपये प्रति किलोग्राम बनी हुई हैं और मिर्च की खेती करने से किसानों को कोई नुकसान नहीं हो रहा है। जिले में छह से अधिक भंडारण सुविधाओं के साथ-साथ एक कोल्ड स्टोरेज भी हैं।

सिंगापुर के सात उपग्रहों को 30 जुलाई को प्रक्षेपित करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत 30 जुलाई को सिंगापुर के एक उपग्रह को प्रक्षेपित करेगा जिसमें इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) द्वारा विकसित सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) पेलोड है, जो सभी मौसम स्थितियों में तस्वीरें लेने में सक्षम है। भारतीय रॉकेट पीएसएलवी-सी56 रविवार सुबह 6.30 बजे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट के पहले लॉन्च-पैड से छह अन्य उपग्रहों के साथ सिंगापुर के डीएस-एसएआर उपग्रह को कक्षा में स्थापित करेगा।

डीएस-एसएआर उपग्रह को सिंगापुर की रक्षा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एजेंसी (डीएसटीए) और सिंगापुर के ही सिंगापुर टेक्नोलॉजीस इंजीनियरिंग लिमिटेड (एसटी इंजीनियरिंग) के बीच साझेदारी के तहत विकसित किया गया है। सिंगापुर सरकार की विभिन्न एजेंसी की उपग्रह से प्राप्त होने वाली तस्वीरों संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस उपग्रह का उपयोग किया जाएगा। एसटी इंजीनियरिंग अपने वाणिज्यिक ग्राहकों को मल्टी-मॉडल एवं उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें और भू-स्थानिक सेवाएं मुहैया कराने के लिए इसका उपयोग करेगा। इसरो ने सोमवार को ट्वीट किया कि अंतरिक्ष विभाग के तहत केंद्र सरकार के उपक्रम 'न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड' (एनएसआईएल) ने 360 किलोग्राम वजनी डीएस-एसएआर उपग्रह और छह अन्य उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने के लिए पीएसएलवी-सी56 खरीदा है। इसरो के अध्यक्ष सोमनाथ एस ने बताया, 'यह एक वाणिज्यिक मिशन है।'

इसरो ने बताया कि छह अन्य उपग्रहों में वेलोक्स-एएम शामिल है जो प्रौद्योगिकी प्रदर्शन सूक्ष्म उपग्रह है। इसके अलावा प्रायोगिक उपग्रह एटमॉस्फेरिक कपलिंग एंड डायनेमिक्स एक्सप्लोरर (आर्केड) और 3यू नैनो उपग्रह स्कूब-2 को भी अंतरिक्ष ले जाया जाएगा। इसरो ने बताया कि शहरी और दूरस्थ इलाकों में उपकरणों एवं कलाउड के बीच निर्बाध संपर्क सेवा मुहैया कराने वाले उन्नत 3यू नुलायन (नुस्पेस द्वारा विकसित), पृथ्वी की निचली कक्षा में परिक्रमा करने वाले 3यू नैनो उपग्रह गैलासिया-2 और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से विकसित ओआरबी-12 स्ट्राडर को भी पीएसएलवी-सी56 के साथ प्रक्षेपित किया जाएगा।

कर्नाटक में उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को जान से मारने की धमकी, पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय के प्रेस सूचना अधिकारी द्वारा खुद के अलावा कई न्यायाधीशों को भी जान का खतरा होने संबंधी शिकायत दर्ज कराये जाने के बाद यहां केंद्रीय 'सीईएन' अपराध पुलिस थाने में अज्ञात संदिग्धों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

के. मुरलीधर ने 14 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्हें 12 जुलाई को शाम करीब 7 बजे एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से व्हाट्सऐप मैसेंजर पर संदेश मिला था। उनका मोबाइल नंबर उन्हें आधिकारिक तौर पर उच्च न्यायालय द्वारा प्रदान किया गया है। पुलिस ने कहा कि हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में आये संदेश में मुरलीधर और उच्च न्यायालय के छह न्यायाधीशों को 'दुबई गिरोह' के माध्यम से कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी गई है। इन न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति मोहम्मद नवाज, न्यायमूर्ति एच टी नरेंद्र प्रसाद, न्यायमूर्ति अशोक जी निजगन्नावर (सेवानिवृत्त), न्यायमूर्ति एच पी संदेश, न्यायमूर्ति के नटराजन और न्यायमूर्ति बी वीरप्पा (सेवानिवृत्त) शामिल हैं।

संदेश में पांच संदिग्ध मोबाइल फोन नंबर और धमकी भी थी। प्राथमिकी 14 जुलाई को दर्ज की गई, जिसमें कहा गया है कि धमकी भरे संदेश में पाकिस्तान के एक बैंक खाते में 50 लाख रुपये जमा करने को कहा गया है।

योग — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में ईशा योग सेन्टर में गत पांच दिनों से जी-20 देशों सम्मेलन में भाग लेने प्रतिनिधि पहुंचे हुए हैं। सोमवार को सुबह प्रतिनिधियों ने पांच दिन के योग, प्राणायाम और मेडिटेशन का प्रशिक्षिण लिया।

तटीय कर्नाटक में भारी बारिश से नदियों में जलस्तर बढ़ा

भारी बारिश के कारण बाढ़ की आशंका

मंगलूरु। कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़ और उडुप्पी जिलों में लगातार हो रही बारिश की वजह से क्षेत्र में कई नदियां बीते दो दिन से उफान पर हैं जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया है। दक्षिण कन्नड़ जिले में नेत्रवती और फालगुनी तथा कई छोटी नदियों का जलस्तर बढ़ने से इनके तटों के पास रहने वाले लोगों के लिए खतरा पैदा हो गया है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि बंतवल तालुका में कुछ परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है।

तालुका में सुपारी बागान का बड़ा इलाका पानी में डूब गया है जिससे किसानों के लिए परेशानी उत्पन्न हो गई है। दक्षिण कन्नड़ और उडुप्पी जिलों की कई तालुकाओं में सोमवार को भी स्कूल बंद रहे, क्योंकि अधिकारियों ने छुट्टियां घोषित की हुई हैं। कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर का घाट डूब गया है और कुमाराधारा नदी का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया है। श्रद्धालुओं से कहा गया है कि वे बारिश थमने तक मंदिर न आएं। मंजेश्वर-सुब्रह्मण्य राज्य राजमार्ग अब भी पानी में डूबा हुआ है जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई है। सूत्रों ने बताया कि उडुप्पी जिले में करवालू इलाके के एक पर्वत पर भूस्खलन हुआ जिससे 'हाई टेंशन' विद्युत खंभों के लिए खतरा पैदा हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि जरूरी एहतियाती कदम उठाए गए हैं और अगर ये खंभे क्षतिग्रस्त होते हैं तो कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो सकती है। वहीं, मौसम विज्ञान विभाग ने 27 जुलाई तक तटीय कर्नाटक में मध्यम स्तर की बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। दक्षिण पश्चिम मानसून के कारण कर्नाटक में बाढ़ का खतरा है और भारी बारिश के बाद कई छोटी नदियां उफान पर हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारी बारिश के मद्देनजर अधिकारियों ने नौ जिलों बेलगावी, धारवाड़, उत्तर कन्नड़, हावेरी, हासन, शिवमोगा, उडुप्पी, दक्षिण कन्नड़ और कोडागु में सोमवार को स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश की घोषणा की गई। मौसम विभाग ने तीन तटीय जिलों उडुप्पी, दक्षिण कन्नड़ और उत्तर कन्नड़ के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। विभाग ने बताया कि कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति में अस्थायी रूप से बाधित होने, यातायात जाम होने और 'कच्ची' एवं असुरक्षित संरचनाओं को नुकसान होने की आशंका है। विभाग के अनुसार चिक्कमगलुरु, कोडागु, शिमोगा के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' की घोषणा की गई है, जबकि बेलगावी, हावेरी, कलबुर्गी, विजयपुरा और हासन के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है।

सिद्धरामैया ने कहा, वंचितों, बेजुबानों को मुख्यधारा में लाना जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को कहा कि वह समाज के वंचित लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। सामाजिक जिम्मेदारी विषय पर सेमिनार का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में लगभग 25 प्रतिशत लोगों को अभी भी शिक्षा नहीं मिल पाई है। आर्थिक असमानता और भी अधिक है। इसलिए मैं वंचितों को मुख्यधारा में लाने और समाज में सभी को न्याय दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि पत्रकारों को आत्मनिरीक्षण करने की ज़रूरत है कि क्या वे पत्रकारिता की नैतिकता के अनुसार काम कर रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर ने उदाहरण पेश किया है कि एक पत्रकार को कैसा होना चाहिए। गरीब, वंचितों को आवाज देना मीडिया पेशे का उद्देश्य, आकांक्षा और जिम्मेदारी है।

सामाजिक असमानता पारंपरिक रूप से सदियों से चली आ रही है। इस प्रकार समाज का अधिकांश हिस्सा आर्थिक और सामाजिक असमानता तथा भेदभाव का शिकार हो गया है। अंबेडकर का जिक्र करते हुए सिद्दरामैया ने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान लागू होने से एक दिन पहले अपने ऐतिहासिक भाषण में कहा था, 'अगर देश को आर्थिक और सामाजिक आजादी नहीं मिलेगी, सिर्फ प्रशासनिक और राजनीतिक आजादी मिलेगी, तो असमानता के शिकार लोग एक दिन आजादी की इस इमारत को नष्ट कर सकते हैं।

सिद्दारमैया ने बताया कि लोग कभी नहीं पूछते हैं कि समाज ने उन्हें क्या दिया है बल्कि उन्हें आत्मावलोकन करना चाहिए कि समाज में उनका क्या योगदान रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वतंत्रता के 75 वर्ष होने के बावजूद हमारे देश में असमानता है। सामाजिक और आर्थिक समानता जरूर होनी चाहिए वरना इसके बिना स्वतंत्रता अपना अर्थ खो देती है। उन्होंने कहा,' एक वक्त के बाद पत्रकारिकता का उद्देश्य बदल गया है। यह अब वैसा नहीं रहा है जैसे स्वतंत्रता से पहले था। इसका उद्देश्य सामाजिक न्याय होना चाहिए।'

सिद्दारमैया ने कहा कि समाजिक और आर्थिक असमानता के पीछे कई ऐतिहासिक कारण है और आज हम किसी पर दोष नहीं लगा सकते। हालांकि समाज में इस खाई को पाटने की कोशिश की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि लोगों को अपने भीतर झांक कर देखना चाहिए कि उन्होंने कहां गलती की और जहां भी आवश्यक हो उसमें सुधार करें। अपनी सरकार की पांच 'गारंटी' (कांग्रेस पार्टी के चुनाव से पूर्व वादे) के बारे में सिद्दरामैया ने बताया कि ये यूनिवर्सल बेसिक इनकम से संबंधित थे। इनसे सामाजिक असमानता कम और लोगों की कमाई होगी ताकि वे खर्च कर सकें। यह अंत में राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'पेट भरे लोगों का रवैया यह है कि मजदूर वर्ग भूखे पेट भी सो जाए तो कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन अन्नभाग्य योजना को लागू नहीं होने देंगे, यह समाज विरोधी सोच है।'

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि देश की अर्थव्यवस्था तभी बढ़ेगी जब लोगों की जेब में पैसा होगा। यही कारण है कि हमारी सरकार ने कामकाजी लोगों की जेब में पैसा डालने वाले कार्यक्रम दिए हैं। इसके खिलाफ बीजेपी का रवैया असामाजिक है। इसलिए, पत्रकारिता पेशे से जुड़े लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि गरीब-समर्थक और जन-समर्थक परियोजनाएं लोगों तक पहुंचे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा पांच से अधिक वरिष्ठ पत्रकारों एवं फोटोग्राफरों को सम्मानित किया गया। सेमिनार का आयोजन यहां प्रेस क्लब ऑफ बेंगलूरु और कर्नाटक यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स ने किया था।

हैप्पी स्ट्रीट — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के साईबाबा कॉलोनी स्थित एनेसार रोड पर कोयम्बटूर जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम के सहयोग से पिछले पांच महीनों से हैप्पी स्ट्रीट का आयोजन किया जा रहा है। जो स्थानीय लोगों में काफी लोकप्रिय हुई है। गत रविवार को लोगों ने हैप्पी स्ट्रीट का आनंद उठाया।

विधानसभा में हाथापाई की नौबत, गुढ़ा एवं दिलावर सदन से निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को लाल डायरी को लेकर सदन में दिनभर हंगामा हुआ और हाथापाई तक नौबत आ गई। इस कारण जहां सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी वहीं बर्खास्त मंत्री एवं विधायक राजेन्द्र सिंह गुढ़ा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मदन दिलावर को पन्द्रहवीं विधानसभा की शेष अवधि के लिए सदन से निलंबित कर दिया गया।

हंगामें की शुरुआत उस समय हुई जब प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद शून्यकाल में स्थगन प्रस्ताव पर बोलने के लिए विधानसभा अध्यक्ष डा सी पी जोशी ने करीब 12 बजकर छह मिनट पर विधायक नारायण बेनीवाल का नाम पुकारा और वह बोलने लगे तभी विपक्ष भाजपा के सदस्य खड़े हो गए और हाथों में लाल डायरी लिए हुए सदन की वेल में आ गए।

इस दौरान लाल डायरी हाथ में लिए हुए गुढ़ा भी आसन के सामने आ गए और लाल डायरी लहराते हुए अध्यक्ष से इस पर सदन में बोलने की अनुमति मांगने लगे। इस पर अध्यक्ष ने अनुमति नहीं दी और अपनी जगह पर बैठने के लिए कहा।

डा जोशी ने कहा कि वह उनके चैम्बर में आकर अपनी बात कह सकते हैं। लेकिन गुढ़ा आसन के सामने ही खड़े रहे और बोलते रहे। इस दौरान जोशी ने गुढ़ा से बार बार अपनी सीट पर जाने के लिए कहा लेकिन वह नहीं माने और बाद में वह संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल की तरफ जाकर उनकी डेस्क पर लगे माइक पर हाथ से प्रहार किया। इस बीच कांग्रेस विधायक रफीक खान बीच में आ गए और गुढ़ा को धारीवाल से दूर किया। इस दौरान पक्ष एवं विपक्ष के सदस्य आमने सामने आ गए और सदन में जोरदार हंगामा हुआ और हाथापाई की नौबत आ गई। इस बीच अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी। लेकिन इस पर हंगामा बंद नहीं हुआ और इस दौरान सुरक्षाकर्मी आ गए और गुढ़ा को सदन से बाहर ले गए। इसके बाद हंगामा शांत हुआ।

अगर मैं नहीं होता तो गहलोत जेल में होते : गुढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमला तेज करते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने रविवार को कहा कि अगर वह नहीं होते तो गहलोत जेल में होते लेकिन उन्हें बर्खास्त करने से पहले सफाई का भी मौका नहीं दिया गया। झुंझुनू जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, अगर राजेंद्र गुढ़ा नहीं होते तो मुख्यमंत्री जेल में होते। एक 'लाल डायरी' का जिक्र करते हुए गुढ़ा ने दावा किया कि उन्होंने कांग्रेस नेता धर्मेंद्र राठौड़ के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री के निर्देश पर 'लाल डायरी' को सुरक्षित रखा था। सैनिक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा, पंचायती राज और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री रहे गुढ़ा को विधानसभा में कानून और व्यवस्था पर राज्य सरकार को घेरने के कुछ घंटों बाद शुक्रवार शाम को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया था। उन्होंने झुंझुनू में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहने के बजाय सीधे बर्खास्त कर दिया गया।

उन्होंने कहा, अगर आपने(गहलोत ने) मुझसे इस्तीफा देने के लिए कहा होता तो मैं इस्तीफा दे देता...आपको फोन करना चाहिए था और नोटिस देना चाहिए था। गुढ़ा ने कहा कि न्यायाधीश भी कार्रवाई से पहले एक मौका देते हैं। उन्होंने एक लाल रंग की डायरी का अस्पष्ट जिक्र करते हुए कहा कि गहलोत ने उनसे एक डायरी सुरक्षित रखने को कहा था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कहने पर उन्होंने डायरी सुरक्षित रख ली थी।

'लाल डायरी' के रहस्य से पर्दा उठा तो राजस्थान के कई नेताओं का राजनीतिक वजूद खतरे में पड़ जाएगा : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर 'भ्रष्टाचार के सभी रिकॉर्ड तोड़ने' का आरोप लगाया और दावा किया कि अगर 'लाल डायरी' के रहस्य से पर्दा उठा तो कई नेताओं का राजनीतिक अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। इससे एक दिन पहले राजस्थान के पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक राजेंद्र गुढ़ा ने दावा किया था कि उन्होंने पार्टी नेता धर्मेंद्र राठौर के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग के छापे के बाद उनके निर्देश पर एक 'लाल डायरी' हासिल करके मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को परेशानी से बचाया था।

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, उस लाल डायरी में ऐसा क्या है जो पूरी सरकार में 'घबराहट' है। राजस्थान का हर व्यक्ति इसका रहस्य जानना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि अगर गुढ़ा द्वारा उजागर की गई डायरी की सामग्री सामने आ गई तो कई नेताओं का राजनीतिक वजूद खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार खनन, भर्ती और परीक्षा जैसे विभिन्न घोटालों से संबंधित डायरियों से भरी हुई है।

सैनिक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा, पंचायती राज और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने वाले गुढ़ा को शुक्रवार शाम को गहलोत ने बर्खास्त कर दिया था। गुढ़ा इसके बाद ही गहलोत पर निशाना साध रहे हैं। गुढ़ा ने सोमवार को जयपुर में राजस्थान विधानसभा में एक लाल डायरी लहराते हुए हंगामा किया था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि इसमें राज्य सरकार से जुड़े अनियमित वित्तीय लेनदेन का विवरण है। राजस्थान के भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने गरीबों के लिए आवंटित धन का 'दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं को खुश करने' के लिए दुरुपयोग किया है। उन्होंने दावा किया कि डायरी में 500 करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन का विवरण है। शेखावत ने आरोप लगाया कि राजस्थान सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि आयकर विभाग ने 2020 में गहलोत के एक करीबी व्यक्ति के यहां छापेमारी के दौरान डायरी बरामद की थी। शेखावत ने कहा कि गहलोत ने अपने हित के लिए गुढ़ा को मंत्री बनाया था लेकिन गुढ़ा ने अपनी अंतरात्मा की आवाज को दबाया नहीं। उन्होंने कहा कि गुढ़ा ने जो आरोप लगाए हैं वह गंभीर है और इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती।

भाजपा विधायकों तथा गुढ़ा के हंगामे के कारण विधानसभा की कार्यवाही बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए गए मंत्री राजेंद्र गुढ़ा तथा मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों के हंगामे के कारण विधानसभा की कार्यवाही सोमवार को बाधित हुई और बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर करीब तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

शून्यकाल शुरू होते ही मंत्री पद से बर्खास्त किए गए विधायक राजेंद्र गुढ़ा लाल रंग की एक 'डायरी' लेकर विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी के सामने पहुंचे। उन्होंने वह डायरी अध्यक्ष को देना चाहा लेकिन जोशी ने उन्हें अनुमति नहीं दी। जोशी ने गुढ़ा से उनके कक्ष में आने को कहा।

इसके बाद गुढ़ा संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल की ओर बढ़े तथा दोनों में कुछ बहस हुई। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने गुढ़ा को एक तरफ किया। सत्ता पक्ष के कई मंत्री भी वहां पहुंच गए। इस दौरान माहौल काफी गर्मागर्मी वाला दिखा। सदन में विपक्षी दल भाजपा के विधायकों ने 'लाल डायरी' को लेकर जवाब मांगते हुए नारेबाजी की। विपक्ष के कई विधायकों ने प्रतीकात्मक 'लाल डायरी' ले रखी थीं। इसके बाद जोशी ने सदन की कार्यवाही स्थगित करने की घोषणा की। बाद में सूचित किया गया कार्यवाही दो बजे तक स्थगित की गई है।

दो बजे सदन की बैठक शुरू होने पर 'लाल डायरी' लिए हुए भाजपा सदस्यों का हंगामा और नारेबाजी जारी थी। कुछ भाजपा विधायक आसन के सामने आकर नारेबाजी करने लगे, और कुछ ने कागज फाड़कर भी फेंके। विधानसभा अध्यक्ष जोशी ने हंगामे के बीच ही कुछ विधेयक ध्वनिमत से पारित कराए। फिर उन्होंने अपराह्न दो बज कर करीब 25 मिनट पर कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित कर दी। गुढ़ा इस दौरान सदन में नहीं आए।

सुबह हंगामे के बाद कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित किए जाने के बाद गुढ़ा ने सदन के बाहर संवाददाताओं से कहा कि वह अपनी 'लाल डायरी' सदन के पटल पर रखना चाहते थे लेकिन अध्यक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी। गुढ़ा ने कहा, अध्यक्ष ने मुझे बोलने की इजाजत नहीं दी। संसदीय कार्य मंत्री धारीवाल ने बोलना शुरू किया। मैंने धारीवाल से कहा कि मैं बोलना चाहता हूं, मुझे बर्खास्त किया गया है। गुढ़ा ने अपने इलाके में हुई एक कथित घटना की ओर इशारा करते हुए कहा, मैं इस घटना से आहत था और इस पर बोलना चाहता था। मुझ पर आरोप लगाए गए कि मैं भाजपा से मिला हुआ हूं। मुझसे माफी मांगने को कहा गया। मैं पूछना चाहता हूं कि मैं किस चीज की माफी मांगू, मेरी गलती क्या है?

उन्होंने कहा, मेरी डायरी छीन ली गई। मुझ पर हमला कर मुझे नीचे गिरा दिया गया। मुझे मार्शल ने नहीं बल्कि कांग्रेस के मंत्रियों ने बाहर निकाला। डायरी का आधा हिस्सा विधानसभा में मुझसे छीन लिया गया। लेकिन इसका आधा हिस्सा अभी मेरे पास है। उन्होंने कहा, मैं कोई भी कुर्बानी देने के लिए तैयार हूं। मैं लड़ाई लड़ंगा, जनता के बीच जाऊंगा लेकिन किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटूंगा। बर्खास्त मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि यह डायरी उन्हें राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ के आवास पर आयकर विभाग के छापे के दौरान मिली थी। गुढ़ा ने कहा कि छापे के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें डायरी सुरक्षित करने के लिए राठौड़ के आवास पर जाने के लिए कहा था और उन्होंने ऐसा ही किया।

गुढ़ा ने दावा किया कि धर्मेंद्र राठौड़ द्वारा लिखी गई डायरी में 'अनियमित वित्तीय लेनदेन' का ब्यौरा है और इसमें मुख्यमंत्री तथा उनके बेटे का नाम है। उन्होंने संवाददाताओं के बार बार कहे जाने के बावजूद अपने पास मौजूद डायरी खोल कर नहीं दिखाई। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने पत्रकारों से कहा कि सदन में जो हुआ वह शर्मनाक है। राठौड़ ने कहा, गुढ़ा बयान देना चाहते थे। वह अपनी बात रखना चाहते थे और उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए थी।

माफी मांगने के बजाय संघर्ष करने का फैसला किया : राजेंद्र गुढ़ा

जयपुर ।राजस्थान में मंत्री पद से बर्खास्त किए गए विधायक राजेंद्र गुढ़ा ने सोमवार को कहा कि उन्होंने माफी मांगने के बजाय संघर्ष करने का फैसला किया है। साथ ही गुढ़ा ने कहा कि वह कथित 'लाल डायरी' के बारे में आज विधानसभा में खुलासा करेंगे। गुढ़ा ने सोमवार को विधानसभा की कार्रवाई शुरू होने से पहले संवाददाताओं से कहा, मैंने माफी मांगने के बजाय संघर्ष करने का रास्ता चुना है। मुझे किस बात के लिए माफी मांगनी चाहिए? मैंने महिला सुरक्षा के लिए आवाज उठाई है।

गुढ़ा ने शुक्रवार को विधानसभा में महिला अत्याचार के मुद्दे पर अपनी ही सरकार को घेरा तो उसी रात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया। गुढ़ा के पास सैनिक कल्याण पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग था।

'उनको लगता है कि रिपीट होगी, मगर ये सरकार डिलीट होगी' : पूनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। दौसा पहुंचे भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया कांग्रेस पर जमकर बरसे। पूनिया ने कहा कि कांग्रेस राज में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। आए दिन प्रदेश में बलात्कार और हत्या जैसी घटनाएं हो रही हैं। कांग्रेस के इस पौने पांच साल के कार्यकाल में 10 लाख 92 हज़ार मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया दौसा में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रतन तिवाड़ी को जन्मदिन की बधाई देने के लिए दौसा पहुंचे। दौसा पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

पूनिया ने कहा गहलोत सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र गुढ़ा ने राजस्थान में कांग्रेस सरकार के समय बढ़ते हुए अपराध पर सवाल किया तो उन्हें मंत्री पद से हाथ धोना पड़ा। पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रतन तिवाड़ी की ओर से आयोजित सामूहिक भोज में सतीश पूनिया ने भाजपा कार्यकर्ताओं को खाना भी परोसा। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं से हाल भी जाने। मीडिया से रूबरू हुए पूनिया ने कांग्रेस सरकार को जमकर कोसा। पूनिया ने मुख्यमंत्री गहलोत के बयान- भाजपा को नहीं सहेगा राजस्थान, पर पलटवार करते हुए कहा कि यह नारा कांग्रेस के लिए ही है कि कांग्रेस को राजस्थान अब नहीं सहेगा। दुष्कर्म को नहीं सहेगा, भ्रष्टाचार को नहीं सहेगा, बेरोजगारी को नहीं सहेगा, दलितों, गरीबों और महिलाओं का अपमान नहीं सहेगा, यह पंच लाइन कांग्रेस के खिलाफ है, जनादेश को समय बता देगा। पिछले पौने पांच सालों से जिस तरीके से 10 लाख 92 हजार मुकदमे दर्ज हुए और 17 बलात्कार-हत्या रोज़ाना होना, इसका प्रमाण है। उनकी नजर में लगता होगा कि सरकार रिपीट होगी, मुझे लगता है कांग्रेस परमानेंट डिलीट होगी।

पूनिया बोले- हाथ कंगन को आरसी क्या? पढ़े लिखे को फारसी क्या? इसलिए मुझे लगता है कि अशोक गहलोत को उनके मंत्री ने आईना दिखा दिया। राजेंद्र गुढ़ा ने विधानसभा के भीतर जो कहा है, वह कांग्रेस पार्टी के लिए पर्याप्त था। राजस्थान की कानून व्यवस्था इतनी बदतर है कि मुख्यमंत्री देश-दुनिया की पंचायती करते हैं। मुझे लगता है कि जो विग्रह हुआ वो जगजाहिर है। राजेंद्र गुढ़ा का बयान, विधायक भरत सिंह कुंदनपुर की चिट्ठी, रामनारायण मीणा का विधानसभा के सदन में बयान यह तमाम बातें थीं, तो अब मुझे लगता है कि गहलोत की गलतफहमी चुनाव आते आते दूर हो जाएगी।

मणिपुर मामले में पूनिया ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। पीएम मोदी के नेतृत्व में सारे मामले की जांच होगी। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। लेकिन राजस्थान की सरकार में ना घर में कोई सुरक्षित है, ना कोई सड़क पर सुरक्षित है। इसलिए इन चीजों से बचने के लिए यह बेहतर तरीका है कि वह दूसरे प्रदेश की बात करें। बात राजस्थान की जाए, मुझे लगता है चुनाव आते-आते कांग्रेस परमानेंट डिलीट होगी। पूनिया ने कहा कि 27 जुलाई को प्रधानमंत्री किसानों के हृदय स्थल सीकर आएंगे और किसान निधि की राशि उनके खातों में सीधा ट्रांसफर होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व देश ने बहुत तरक्की की है। मणिपुर में भी जिस तरह के हालात थे, उन्हें काबू में लिया गया।

राजस्थान में सीआईएसएफ की तर्ज पर राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल का गठन होगा

जयपुर। राजस्थान की औद्योगिक इकाईयों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की तर्ज पर राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल का गठन किया जाएगा। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल में तीन बटालियन गठित की जाएगी। इन बटालियन का मुख्यालय भिवाड़ी, चित्तौड़गढ़ एवं बालोतरा में होगा। इनका गठन केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की तर्ज पर होगा।

बयान में कहा गया कि भिवाड़ी बटालियन के कार्यक्षेत्र में जयपुर, अजमेर, सीकर, अलवर, झुंझुनूं, भरतपुर, दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर जिले हैं। इनमें 3,81,694 पंजीकृत उद्यम/इकाईयां है। इसके अनुसार, चित्तौड़गढ़ बटालियन के दायरे में भीलवाड़ा, उदयपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़ राजसमंद, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बारां, बूंदी जिले आएंगे। इनमें 2,39,339 पंजीकृत इकाईयां हैं। वहीं, बालोतरा बटालियन के कार्यक्षेत्र में जोधपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, पाली, हनुमानगढ़, बाड़मेर, नागौर, चूरू, जालोर, सिरोही और जैसलमेर जिले शामिल होंगे। इनमें 3,53,528 पंजीकृत इकाईयां हैं।

पूजा

उदयपुर में सोमवार को नीलकंठ महादेव मंदिर में महादेव की पूजा-अर्चना कर विधिवत मंत्रोच्चार में साथ रुद्राभिषेक करती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

फेसबुक के जरिए बने मित्र से मिलने के लिए पाकिस्तान आई अंजू : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेशावर/जयपुर। एक विवाहित भारतीय महिला अपने दोस्त से मिलने के लिए पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत आई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अंजू नामक महिला की 29 वर्षीय पाकिस्तानी व्यक्ति नसरुल्ला से फेसबुक पर दोस्ती हुई थी और फिर उसे उससे प्यार हो गया। अंजू (34) का जन्म उत्तर प्रदेश के कैलोर गांव में हुआ था और वह राजस्थान के अलवर जिले में रहती थी। वह अब अपने पाकिस्तानी दोस्त नसरुल्ला से मिलने के लिए पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के ऊपरी दीर जिले में है।

'एआरवाई न्यूज' की खबर के अनुसार मेडिकल क्षेत्र में काम करने वाले नसरुल्ला और अंजू कुछ महीने पहले सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर दोस्त बने। खबर के अनुसार अंजू एक महीने के लिए पाकिस्तान की यात्रा पर है और वह यहां नसरुल्ला से शादी करने नहीं आई है। इसके अनुसार भारतीय महिला शुरू में पुलिस की हिरासत में थी लेकिन जिला पुलिस द्वारा उसके यात्रा दस्तावेजों का सत्यापन किए जाने के बाद उसे रिहा कर दिया गया।

एक सूत्र ने बताया, सभी यात्रा दस्तावेज सही पाए जाने के बाद उसे जाने की अनुमति दी गई। यह सुनिश्चित करने के लिए उसे सुरक्षा प्रदान की गई कि कोई अप्रिय घटना न हो जिससे देश का नाम खराब हो। दीर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा कि अंजू और उसके दोस्त को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मुश्ताक खाब और स्काउट्स मेजर द्वारा उसके दस्तावेजों को मंजूरी दिए जाने के बाद रिहा कर दिया गया। इन खबरों के बाद राजस्थान पुलिस की एक टीम अंजू के भिवाड़ी स्थित घर पर पूछताछ करने पहुंची। महिला के पति अरविंद ने पुलिस को बताया कि वह बृहस्पतिवार को जयपुर जाने के बहाने घर से निकली थी लेकिन बाद में परिवार को पता चला कि वह पाकिस्तान में है। अरविंद ने पुलिस को बताया, वह यह कहकर घर से निकली थी कि उसे अपने दोस्त से मिलना है। मैंने कुछ दिन पहले उससे व्हाट्सऐप पर बात की तो पता चला कि वह लाहौर में है। उन्होंने बताया कि उनकी शादी 2007 में हुई थी और तब से वे साथ रह रहे हैं।

भिवाडी के सहायक पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने पीटीआई भाषा को बताया कि अंजू के पति ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को घर से निकली थी। उसके पास वैध पासपोर्ट था। उन्होंने बताया कि मामले को लेकर परिवार ने कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि दंपति भिवाड़ी में निजी फर्म में काम करते हैं और उनकी 15 साल की एक लड़की और छह साल का बेटा है।

अरविंद ने अपने घर पर मीडिया को बताया कि उसकी पत्नी अंजू ने अपनी बहन को बताया कि वह लाहौर में है और बाद में उसने व्हाट्सऐप कॉल पर बात की। अरविंद ने कहा कि वह अपनी पत्नी से बात करेंगे और वापस लौटने के लिए कहेंगे। अरविंद ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह घर लौटेंगी। अरविंद ने कहा कि उसने 2020 में अपना पासपोर्ट बनवाया था क्योंकि वह विदेश में नौकरी के लिए आवेदन करना चाहती थी। अरविंद ने कहा कि उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि वह सोशल मीडिया पर किसी के संपर्क में थी। उत्तर प्रदेश पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि अंजू का जन्म उत्तर प्रदेश के बुंदेलखण्ड क्षेत्र में स्थित जालौन जिले के कैलोर गांव में हुआ था।

विपक्षी गठबंधन में अहम भूमिका देख रही सपा के लिए झटका, कई नेता भाजपा में हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ विपक्ष की मोर्चाबंदी के बीच उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) को झटका लगा है। इन दोनों ही पार्टियों के कई अहम नेता सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं की तुलना दो हजार रुपए के करेंसी नोट से करते हुए उन पर तंज किया है।

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में सोमवार को रालोद के नेता पूर्व मंत्री राजपाल सैनी, सपा नेता व पूर्व मंत्री साहब सिंह सैनी, पूर्व सपा सांसद अंशुल वर्मा, सपा की पूर्व विधायक सुषमा पटेल, जौनपुर से समाजवादी पार्टी के नेता पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर तथा वर्ष 2019 में वाराणसी लोकसभा सीट से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ सपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाली शालिनी यादव भाजपा में शामिल हो गईं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक की मौजूदगी में इन नेताओं ने भाजपा का दामन थामा। चौधरी ने कहा कि उनकी पार्टी वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटें जीतने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। हम सब मिलकर लक्ष्य पूरा करेंगे।

भाजपा में आज शामिल होने वाले ज्यादातर नेता अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज से आते हैं। पूर्वांचल के प्रमुख ओबीसी नेता माने जाने वाले ओमप्रकाश राजभर और सपा विधायक पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान के सपा छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद आज अनेक अन्य वरिष्ठ नेताओं के सत्तारूढ़ दल में शामिल होना सपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के कई नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर एक ट्वीट कर तंज किया। उन्होंने कहा, कुछ लोग चले गए 2000 के नोट की तरह।

गौरतलब है कि नोटबंदी के बाद जारी हुए दो हजार रुपए के नोट को सरकार ने करीब साढ़े छह साल के बाद वापस लेने का फैसला किया है।

यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ है जब विपक्षी दल सत्तारूढ़ भाजपा को आगामी लोकसभा चुनाव में हराने के लिए एकजुट हो रहे हैं और सपा उत्तर प्रदेश में अपनी बड़ी भूमिका का दावा कर रही है। सपा इस राज्य में मुख्य विपक्षी दल है और उसका रालोद के साथ गठबंधन है। सपा आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बूथस्तर पर तैयारियों में जुटी है।

'हिट एंड रन के पेशेवर खिलाड़ी' संसद में चर्चा नहीं चाहते : नकवी का विपक्षी दलों पर निशाना

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में जारी गतिरोध को लेकर सोमवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि 'हिट एंड रन के पेशेवर खिलाड़ी' संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा नहीं चाहते। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, घृणित अपराध पर साजिश करने वाले, ना मुल्क के, ना मानवता के, ना मणिपुर के हितैषी हैं और ना ही संवेदनशील हैं। 'हिट एण्ड रन के पेशेवर खिलाड़ी' संवेदनशील विषय पर भी संसद में चर्चा के बजाय सड़क पर बहस करना चाहते हैं।

नकवी ने कहा, संघीय व्यवस्था में संसद, विधानसभा, केन्द्र और राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी तय है। मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली घटना पर घटिया सियासत के पीछे भारत को बदनाम करने की हताश मानसिकता है। विपक्षी दल संसद के मानसून सत्र के पहले दिन से ही मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद के भीतर वक्तव्य देने और सदन में चर्चा कराने की मांग कर रहे हैं।

मणिपुर के खोंगसांग में पहली मालगाड़ी पहुंची, कारोबारियों को होगी बड़ी सुविधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के तामेनलोंग जिले के खोंगसांग रेलवे स्टेशन पर सोमवार को पहली मालगाड़ी गुवाहाटी से पहुंची। अधिकारियों ने कहा कि मणिपुर में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण आवश्यक वस्तुओं की कमी को देखते हुए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने राज्य के परिवहन विभाग के सहयोग से रविवार को हिंसा प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य के लिए आवश्यक वस्तुओं से भरी पहली मालगाड़ी भेजी।

मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने ट्वीट में लिखा,'खोंगसांग रेलवे स्टेशन पर आज पहली मालगाडी के महत्वपूर्ण आगमन को देखकर प्रसन्नता हुई। इस विकास से मणिपुर के लोगों के लिए बहुत सारे अवसर पैदा होंगे और सामान एवं आवश्यक वस्तुओं की त्वरित ढुलाई सुलभ होगी। मुख्यमंत्री ने कहा,'सामान की निर्बाध ढुलाई निस्संदेह औद्योगिकी विकास को उत्प्रेति करेगी, व्यापार को बढ़ाएगी और अंततः जीवन की समग्र गुणवत्ता में वृद्धि करेगी।

इस महत्वपूर्ण पहल के माध्यम से राज्य की आर्थिक संभावनाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभारी हूं। खोंगसांग स्टेशन की 2022 में जिरीबाम-इम्फाल नई लाइन परियोजना के तहत शुरुआत की गई थी। राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद 3 मई को रेल सेवा स्थगित कर दी गई थी।

एचएएल पर टिप्पणी को लेकर भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने साधा राहुल पर निशाना

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) पर 'हमला' करने के लिए सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी के शेयर की कीमतें पांच गुना बढ़ गई हैं और इसने अपने वैश्विक दायरे को बढ़ाया है।

बेंगलूरु दक्षिण से लोकसभा सांसद ने एक ट्वीट में कहा, राहुल गांधी एचएएल और केंद्र पर हमला कर रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि एचएएल के शेयर की कीमतें पिछले पांच वर्षों में लगभग पांच गुना बढ़ गई हैं और इसके 80,000 करोड़ से अधिक के ऑर्डर बुक हैं।

भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष सूर्या ने कहा कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने मलेशिया में नए कार्यालय के साथ विश्व स्तर पर विस्तार किया है। उन्होंने कहा, अर्जेंटीना अपने सशस्त्र बलों के लिए एचएएल के हेलीकॉप्टर चाहता है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एचएएल के शानदार विकास के बारे में कुछ लोगों को कोई जानकारी नहीं है। गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा नीत केंद्र सरकार पर सरकारी एयरोस्पेस कंपनी एचएएल को कमजोर करने और भारत की सामरिक क्षमता को नष्ट करने का आरोप लगाया था।

ट्वीटर परिचय में 'इंडिया' की जगह 'भारत' लिखने के साथ असम के मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तंज कसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विपक्ष के गठबंधन पर तंज कसते हुए सोमवार को कहा कि उन्होंने अपने 'ट्वीटर परिचय' में 'इंडिया' की जगह 'भारत' कर दिया है जो कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जाने की उनकी ''यात्रा को दर्शाता है।

विपक्षी दलों ने बेंगलूरु में हुई बैठक के बाद 18 जुलाई को अपने गठबंधन का ऐलान किया था जिसका नाम 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलांयस' (इंडिया) रखा था।

इसके बाद शर्मा ने अपने ट्वीटर पर दिए अपने परिचय से 'चीफ मिनिस्टर ऑफ असम, इंडिया' में बदलाव करते हुए 'चीफ मिनिस्टर ऑफ असम, भारत' कर दिया। उन्होंने ट्वीटर पर कहा, (ट्वीटर पर) मेरे पिछले परिचय में मैंने असम, इंडिया' का उल्लेख किया था। मैं 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' से 'भारतीय जनता पार्टी' में जाने की अपनी यात्रा को अपडेट करना भूल गया था। अब मैंने अपने परिचय में गर्व से बदलाव करते हुए इसे 'असम, भारत' कर दिया है। कांग्रेस के कुछ मित्र मुझसे पूछ रहे हैं कि मैंने अपने परिचय में बदलाव क्यों किया है। मुझे उम्मीद है कि यह स्पष्टीकरण उन्हें संतुष्ट कर देगा। ट्वीटर परिचय में बदलाव करते हुए शर्मा ने कहा कि सभ्यतागत संघर्ष 'इंडिया' और 'भारत' के इर्द-गिर्द केंद्रित है। उन्होंने कहा, औपनिवेशिक विरासतों से खुद को मुक्त कराने के लिए संघर्ष करना चाहिए। शर्मा पर पलटवार करते हुए कांग्रेस ने कहा कि उन्हें यह प्रधानमंत्री को बताना चाहिए जिन्होंने सरकारी योजनाओं के 'स्किल इंडिया' और 'स्टार्ट-अप इंडिया' जैसे नाम दिए हैं।

सरकार मणिपुर पर चर्चा को तैयार है तो फिर विपक्ष क्यों भाग रहा है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को आरोप लगाया कि विपक्ष मणिपुर हिंसा पर संसद में चर्चा से भाग रहा है क्योंकि वह नहीं चाहता कि कुछ तथ्य सामने आएं।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के सभी सदस्यों से मणिपुर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा या बहस शुरू करने की अपील की। ईरानी ने कहा कि शाह ने संसद में बार-बार कहा कि गृह मामलों के प्रभारी मंत्री के रूप में वह 'कुछ तथ्यों' को प्रकाश में लाना चाहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया, चौंकाने वाली बात यह है कि विपक्षी दल तथ्यों को सामने नहीं आने देने की जिद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर का मुद्दा आंतरिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। ईरानी ने कहा, जब गृह मंत्री उनसे आकर चर्चा करने को कह रहे हैं तो मणिपुर हिंसा के ऐसे कौन से तथ्य हैं जिन्हें कांग्रेस छिपाना चाहती है। शाह ने सोमवार को विपक्ष से मणिपुर मुद्दे पर संसद में चर्चा शुरू करने की अपील की लेकिन लोकसभा और राज्यसभा में गतिरोध बना रहा क्योंकि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर अड़े हुए हैं। संसद के मानसून सत्र में मणिपुर हिंसा की गूंज है। पहले दिन से ही विपक्ष इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने और चर्चा कराने की मांग कर रहा है। राज्यसभा में सरकार नियम 176 के तहत चर्चा को तैयार हो गई है लेकिन विपक्ष इस मुद्दे पर पहले प्रधानमंत्री का बयान और फिर नियम 267 के तहत चर्चा की मांग पर अड़ा है। लोकसभा में भी इस मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध कायम है।

गृह मंत्री ने संसद में झूठी बात की, प्रधानमंत्री को मणिपुर पर बयान देने में क्या झिझक है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह पर संसद में मणिपुर हिंसा के विषय पर 'झूठ बोलने और देश को गुमराह करने' का आरोप लगाया और कहा कि दोनों सदनों में जारी गतिरोध का कारण यह है कि सरकार विपक्ष की मांग स्वीकार नहीं कर रही है। मुख्य विपक्षी दल ने यह सवाल भी किया कि आखिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर के संदर्भ में संसद के भीतर बयान क्यों नहीं दे रहे हैं, उन्हें क्या झिझक है?

कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के अन्य घटक दल मानसून सत्र के पहले दिन से ही मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद में वक्तव्य देने और चर्चा की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र के पहले तीन दिन दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई।

मणिपुर के मुद्दे पर संसद में जारी गतिरोध के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सरकार इस बेहद संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा को तैयार है और विपक्ष से आग्रह है कि वे चर्चा होने दें और सच्चाई सामने आने दें। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री सदन में आएं और बयान दें। इस बयान पर हम चर्चा करने के लिए तैयार हैं। वह संसद के बाहर बात कर रहे हैं, लेकिन सदन में बयान नहीं दे रहे हैं। यह संसद का अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि संसद का सत्र चल रहा है, मामला गंभीर है और ऐसे में प्रधानमंत्री को सदन में बयान देना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, मानसून सत्र के तीसरे दिन भी संसद की कार्यवाही नहीं हो सकी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सरकार 'इंडिया' के दलों की मणिपुर में तीन मई के बाद की स्थिति पर प्रधानमंत्री के विस्तृत बयान की मांग नहीं मान रही है। 'इंडिया' की स्पष्ट मांग है कि पहले प्रधानमंत्री सदन में बयान दें, उसके बाद इसपर चर्चा हो। इंडिया की सभी पार्टियां सिर्फ मणिपुर ही नहीं, वास्तव में पूरे देश के लोगों की भावनाओं को सामने रख रही हैं।

मणिपुर: वायरल वीडियो के मामले में पुलिसकर्मियों ने 14 और लोगों की पहचान की

इंफाल/भाषा। मणिपुर पुलिस ने दो महिलाओं के यौन उत्पीड़न संबंधी वीडियो के मामले में 14 और लोगों की पहचान की है और उन्हें गिरफ्तार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस चार मई को कांगपोकपी जिले में हुई इस घटना के वायरल हुए वीडियो के संबंध में छह लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने बताया कि उसने 14 अन्य लोगों की पहचान की है और उन्हें गिरफ्तार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन दोनों महिलाओं का कथित रूप से यौन उत्पीड़न किया गया था।

वीडियो में नजर आ रही महिलाओं में से एक महिला असम रेजीमेंट में सूबेदार के तौर पर सेवाएं दे चुके और करगिल युद्ध लड़ चुके सेना के एक पूर्व जवान की पत्नी है। इस घटना के संबंध में कांगपोकपी जिले के सैकुल पुलिस थाने में 21 जून को शिकायत दर्ज कराई गई थी। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में तीन मई को 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद राज्य में भड़की जातीय हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

संसद में गतिरोध को लेकर सिंह ने खरगे से फोन पर बात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री और लोकसभा के उप नेता राजनाथ सिंह ने संसद में मणिपुर के विषय पर जारी गतिरोध को खत्म करने के प्रयास के तहत कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से फोन पर बात की है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि रक्षा मंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष को रविवार रात फोन किया था, लेकिन खरगे ने स्पष्ट कर दिया कि विपक्ष मणिपुर के मामले पर सदन में विस्तृत चर्चा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वक्तव्य चाहता है। उन्होंने ट्वीट किया, राजनाथ सिंह जी ने कल रात कांग्रेस अध्यक्ष खरगे जी को फ़ोन कर सदन में गतिरोध के बारे में बात की। कांग्रेस अध्यक्ष ने साफ़ तौर पर कहा कि हम सदन में विस्तृत चर्चा चाहते हैं, रोज़ इस बारे में नियम 267 के अन्तर्गत नोटिस भी दे रहे हैं क्योंकि मणिपुर में हो रही हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, प्रधानमंत्री जी को सदन में आकर बयान देना चाहिए। विपक्षी दल मानसून सत्र के पहले दिन से ही मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद में वक्तव्य देने और चर्चा की मांग कर रहे हैं।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर पर्यटक बस में आग, कोई हताहत नहीं

आगरा/भाषा। जनपद के थाना एत्मादपुर के अंतर्गत कुबेरपुर के निकट यमुना एक्सप्रेस-वे पर सोमवार सुबह एक पर्यटक बस में आग लग गई। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

थाना एत्मादपुर प्रभारी विजय विक्रम सिंह ने बताया कि दिल्ली से 45 सवारियों को लेकर बिहार जा रही एक निजी बस में सुबह करीब नौ बजे आग लग गई। बताया जा रहा है कि इंजन का प्रेशर पाइप फटने से आग लगी।

सिंह ने बताया कि आग लगने की जानकारी मिलते ही सवारियों को आनन-फानन में बस से उतारा गया। उन्होंने बताया कि बस में सवारियों का सामान जल गया। आग की सूचना पर पुलिस और दमकल विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया और इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। उन्होंने बताया कि सवारियों को दूसरी बस से गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।

भारत ने अंतरराष्ट्रीय टेंट पेगिंग टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय घुड़सवारी टीम ने मास्को में आयोजित अंतरराष्ट्रीय 'टेंट पेगिंग' टूर्नामेंट में ऑवरऑल स्वर्ण पदक हासिल किया।

'टेंट पेगिंग' घुड़सवारी का मान्यता प्राप्त 10 खेलों में से एक है। इसमें घुड़सवार का उद्देश्य भाले या तलवार की मदद से मैदान पर रखे सामान (रिंग, नींबू या अन्य सामान) को भेद कर लक्ष्य की ओर ले जाना होता है।

चार सदस्यीय भारतीय टीम ने पारंपरिक पोशाक में आयोजित इस टूर्नामेंट में चार स्वर्ण, इतने ही रजत और तीन कांस्य पदक हासिल किए।

आठ देशों की इस टूर्नामेंट का आयोजन अंतरराष्ट्रीय टेंट पेगिंग महासंघ ने किया था और इसका आयोजन 21 से 23 जुलाई तक हुआ था।

भारत के लिए मोहित कुमार और दिनेश गंगाराम कार्लेकर ने 'इंडल लांस, रिंग एंड पेग्स' और 'लेमन एंड पेग्स' स्पर्धा के ज्यादातर पदक जीते। टूर्नामेंट में भारत के अलावा रूस, ईरान, बेलारूस, कुवैत, कतर, कजाकिस्तान और सीरिया ने भी भाग लिया था।

हाई परफोर्मेंस कोच के पद के लिए अनदेखी से ओलंपिक पदक विजेता विजय कुमार स्तब्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक रजत पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज विजय कुमार 'स्तब्ध' हैं कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने हाई परफोर्मेंस कोच के पद के लिए उनके नाम की अनदेखी की और उन्हें इस बारे में सूचित करने की जरूरत भी नहीं समझी गई। साइ ने 21 जुलाई को अधिसूचना जारी करके एथलेटिक्स, निशानेबाजी, तलवारबाजी, कबड्डी और तीरंदाजी में पांच हाई परफोर्मेंस कोच की नियुक्ति की।

साइ ने फरवरी-मार्च में इस पद के लिए विज्ञापन दिया था और 2012 लंदन ओलंपिक खेलों के रजत पदक विजेता तथा पांच बार के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता विजय ने पद के लिए आवेदन किया था। साइ ने इस पद के लिए राइफल कोच मनोज कुमार के नाम की सिफारिश की है जो पेरिस ओलंपिक निशानेबाजी रेंज में ट्रेनिंग कर रही भारतीय टीम के साथ जुड़े हुए हैं। हिमाचल प्रदेश पुलिस में उपाधीक्षक विजय ने कहा, मैंने पद (परफोर्मेंस कोच) के लिए आवेदन किया था। इस तरह की अटकलें थी कि साक्षात्कार हुए हैं (पद के लिए)। आज किसी ने फोन पर बताया कि सूची जारी हो गई है। जब मैंने सूची देखी (साइ की वेबसाइट पर) तो मैं हैरान और स्तब्ध था। उन्होंने कहा, उनकी (साइ की) पात्रता में मैं पूरी तरह फिट था। इसमें कहा गया था कि अगर आप ओलंपिक पदक विजेता हैं तो आपको सीधे नियुक्ति मिलेगी। जहां तक मुझे पता है, मेरे अलावा किसी अन्य ओलंपिक पदक विजेता ने प्रतिनियुक्ति के आधार पर पद के लिए आवेदन नहीं किया था।

विजय ने कहा, पहले हाई परफोर्मेंस कोच की नियुक्ति अनुबंध के आधार पर होती थी लेकिन हाल में साइ ने अन्य संस्थानों से विशेषज्ञों के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर जुड़ने और अपनी सेवाएं देने का रास्ता खोला है। इसलिए इस आधार पर मैंने पद के लिए आवेदन किया था।

रवि शंकर को भारतीय तीरंदाजी का हाई परफोरमेन्स कोच नियुक्त किया गया

कोलकाता/भाषा। भारत और सेना के पूर्व तीरंदाजी कोच रविशंकर को पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए हाई परफोरमेन्स कोच (एचपीसी) के रूप में नियुक्त किया गया है। वह इससे पहले कोलकाता स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के पूर्वी केंद्र से जुड़े हुए थे। भारतीय हाई परफोरमेन्स निदेशक संजीवा सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से बताया, उनकी भूमिका कोचिंग में खेल विज्ञान के साथ-साथ डेटा विश्लेषण और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए सुधारात्मक कार्यों का ध्यान रखना होगा।

मुंबई सिटी एफसी ने बेंगलूरु एफसी के जयेश राणे को उधार लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम मुंबई सिटी एफसी ने सोमवार को बेंगलूरु एफसी के मिडफील्डर जयेश राणे को 2023-24 सत्र के अंत तक उधार (लोन) पर लेने की घोषणा की। तीस साल के जयेश के साथ बेंगलूरु एफसी ने 2021-22 सत्र से पहले करार किया था। मिडफील्ड में अपनी काबिलियत के साबित कर चुके जयेश आईएसएल के अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल है। उन्हें 103 मैचों का अनुभव है। इस करार के बाद वह अपने गृहनगर मुंबई में वापसी कर रहे हैं।

मुंबई सिटी के मुख्य कोच डेस बकिंघम ने यहां जारी विज्ञपति में कहा, हमें जयेश को टीम में शामिल करने की बहुत खुशी हो रही है। वह अनुभवी खिलाड़ी है और उसने इस लीग में सफलता हासिल की है। उसे इस बात की गहरी समझ है कि मुंबई सिटी का क्या मतलब है और हम किस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। ज्येश ने कहा, यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे अपने घर (शहर) और अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। मैं बेंगलूरु एफसी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं यहां मुंबई सिटी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं।

सुविचार

मिली थी जिंदगी किसी के काम आने के लिए, पर वक़्त बीत रहा है, कागज़ के टुकड़े कमाने के लिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वही पुराना राग

पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की स्थिति के संबंध में जो दुष्प्रचार किया था, उसकी पोल खुलती जा रही है। उसने जिस कथित आजादी का नारा देकर आतंकवाद और अलगाववाद को परवान चढ़ाया, अब उससे लोगों का मोहभंग होने लगा है। पाक ने पीओके की जिस कथित संसद में अलगाववादी यासीन मलिक की 11 वर्षीया बेटी से बयान दिलवाए हैं, उससे स्पष्ट है कि अब उसके दावे हवा-हवाई हो चुके हैं। निस्संदेह भारतीय सुरक्षा बलों, एजेंसियों और जम्मू-कश्मीर के निवासियों ने अपने यहां शांति बहाली के लिए बड़े बलिदान दिए हैं। इसका नतीजा है कि आज पाकिस्तान को इस मुद्दे को ज़िंदा रखने के लिए बच्चों का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्हें कोई कुछ भी लिखकर दे दे, वे वही पढ़ देंगे। पाक की मासूम बच्चों को आगे कर आतंकवाद का खेल खेलने की पुरानी आदत है। पहले जब कश्मीर में पत्थरबाजी होती थी तो बच्चों को इसीलिए आगे किया जाता था, ताकि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में बाधा आए। यह सब पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों के आकाओं के इशारे पर होता था। जब सुरक्षा बल किसी अभियान के तहत आतंकवादियों पर गोलीबारी करते तो स्थानीय अलगाववादी सक्रिय हो जाते तथा बच्चों को आगे कर देते थे। अब वे बातें बीत गईं। अनुच्छेद 370 और 35ए के प्रावधान हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता जा रहा है। अलगाववादियों की हिम्मत पस्त हो गई है। आम कश्मीरी सुकून में है। बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। लोग अपने कामकाज में व्यस्त हैं। जम्मू-कश्मीर में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। निवेश हो रहा है। स्थानीय लोगों की आमदनी बढ़ रही है। सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। जरूरत की चीजों की कोई किल्लत नहीं है।

उधर, पाकिस्तान में हाहाकार मचा है। पिछले दिनों वहां से ऐसे कई वीडियो आए थे, जिनमें लोग आटा लेने के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े नजर आए थे। कई जगह भगदड़ मची, छीना-झपटी, मारपीट हुई। दर्जनों लोगों की मौत हो गई। पीओके में तो हालात और भी बदतर हैं। वहां मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है। अब तो पीओके के लोग यूट्यूब पर खुलकर कह रहे हैं कि उन्होंने वहां रहकर जीवन की सबसे बड़ी भूल कर दी। पाकिस्तान की सेना और सरकार अपने-अपने तरीकों से उन्हें निचोड़ रही हैं। इन दिनों पीओके में सबसे ज्यादा चर्चा दैनिक जीवन में काम आने वाली चीजों की कीमतों को लेकर हो रही है। वहां आटा, चावल, चीनी, घी, तेल, दालें ... सब चीजें बहुत ज्यादा महंगी हो चुकी हैं। जब उन लोगों को पता चलता है कि ये ही चीजें जम्मू-कश्मीर में तुलनात्मक रूप से बहुत कम कीमत में उपलब्ध हैं और कहीं कोई किल्लत नहीं है, तो वे अपनी किस्मत को कोसते हैं। पीओके में जिन लोगों ने नब्बे का दशक देखा है, वे यह स्वीकार करने लगे हैं कि पाकिस्तान ने कारगिल युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी बची-खुची साख भी गंवा दी थी। हाल के वर्षों में भारत सरकार के सख्त रुख के बाद अब पाक को पहले की तरह समर्थन नहीं मिल रहा है। वह गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। बड़ी मुश्किल से आईएमएफ थोड़ी मदद कर देता है। उससे रावलपिंडी के जनरलों के खर्चे पूरे नहीं हो रहे। उनका हिस्सा निकालने के बाद सत्तारूढ़ दल के नेता अपना हिस्सा लेते हैं। उसके बाद जो रकम बचती है, उसका बड़ा हिस्सा (पाकिस्तानी) पंजाब जाता है। आतंकवादी संगठनों के लिए भी एक हिस्सा रखना होता है। फिर बाकी राज्यों को कुछ दे दिया जाता है। इन सब 'खर्चों' को निकालने के बाद पीओके की जनता के हिस्से में चवन्नी-अठन्नी ही आती हैं। ऐसे में पाक को पीओके में बगावत होने का डर सता रहा है। लिहाजा वह ओछे हथकंडे अपनाकर वही पुराना राग अलापने की कोशिश कर रहा है, जिसे अब सुनने को कोई तैयार नहीं है।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान में पिछले साढ़े 4 साल में लचर कानून-व्यवस्था के कारण हर दिन महिला अत्याचार, दलित अत्याचार हो रहे हैं। छोटी बच्चियों से दुष्कर्म की घटनाएं हो रही है। पिछले 3 वर्षों में दुष्कर्म के मामले में देश में नंबर वन पर राजस्थान पहुंच गया है।

-सीपी जोशी

इस लाल डायरी का रहस्य क्या है, ये आज राजस्थान का हर व्यक्ति जानना चाहता है। जिस तरह विधानसभा में राजेन्द्र गुढ़ा से लाल डायरी छीनने की कोशिश की गई, उससे साफ है कि दाल में कुछ ना कुछ काला जरूर है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

सोनिया गांधी जी ने लोकसभा में कहा कि मुझे मणिपुर की महिलाओं की चिंता है। मैं उनसे पूछना चाहती हूं कि क्या उन्हें उस राजस्थान की महिलाओं की चिंता नहीं है। यहां उनकी सरकार की सरपरस्ती में हर रोज करीब 20 महिलाओं की इज्जत तार-तार की जाती है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

सात्विक जीविका

पं. श्रद्धाराम फिल्लौरी संस्कृत, हिंदी व उर्दू के विख्यात विद्वान थे। वे अपने प्रवचनों से लाखों लोगों को धार्मिक प्रसंगों की गंगा में स्नान कराते थे। एक दिन कथा समाप्त हुई तो आचार्य पंडित ने चढ़ावा समेटा। उसी समय एक सेठ ने कह दिया, 'यह चढ़ावा भी तो गलत कमाई का है। उसने और उसके जैसे धनिकों ने दिया है। आप बटोरकर क्यों ले जाएंगे। सही कमाई धर्म में लगनी चाहिए।' सनातनी कथावाचक ने सारा चढ़ावा तुरंत गरीबों में बांट दिया। विद्वान ने इसके बाद सुपात्रों के ही धन से घर खर्च चलाया। जीविका को सात्विक बनाने के प्रयास में उन्होंने घोर निर्धनता का सामना किया। पत्नी और बच्चों को सांत्वना देते रहने में उन्होंने कठिनाइयां झेलकर पंजाबी, उर्दू, संस्कृत, हिंदी में कविताएं लिखीं तथा पुस्तकें छपवाईं। उनका पहला भजन आरती 'ॐ जय जगदीश हरे' है। लेखक, विद्वान और पंडित होने के साथ फिल्लौरी सनातन धर्म के प्रति पूर्ण निष्ठावान रहे।

सामयिक

मणिपुर की स्तब्ध करने वाली तस्वीरों के पीछे?

अवधेश कुमार

मोबाइल : 99110 27208

मणिपुर से महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने, उन्हें अपमानित करने के वीडियो ने संपूर्ण देश को स्तब्ध किया है। हिंसा किसी प्रकार की हो, महिलाओं को पज्यादा त्रासदी झेलनी पड़ती है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि वीडियो में जो लोग भी जघन्य अपराध करते दिख रहे हैं उनको उपयुक्त सजा मिलेगी। बावजूद इस घटना की चर्चा करते समय हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मणिपुर में कई तरह की हिंसा जारी थी। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का यह वक्तव्य वायरल है कि आपको एक घटना की चिंता है न जाने कितनी घटनाएं ऐसी हुई है। यही सच है। यह घटना कूकी महिलाओं से संबंधित है। हमें पता है कि मैतेयी समुदाय की कितनी महिलाओं के साथ क्या-क्या हुआ होगा? जितनी संख्या में घर बार छोड़कर लोगों को विस्थापित होना पड़ा उसमें यह कल्पना आसानी से की जा सकती है अनेक महिलाओं के साथ भयानक दुर्व्यवहार हुए होंगे। जब तक हिंसा के पीछे के सच को और जिस तरह वो घटी उस तरह नहीं देखा जाएगा तो इसका निदान ढूंढना मुश्किल होगा। यह वीडियो मैतेई और कुकी समुदायों के बीच झड़प के एक दिन बाद यानी 4 मई की है। विचार करने की बात है कि यह वीडियो अब क्यों जारी हुआ?

इंडिजेनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने स्वयं द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन और संसद सत्र आरंभ होने के एक दिन पूर्व वीडियो जारी किया। जाहिर है, समय का ध्यान रख यह वीडियो जारी हुआ। इससे देश और दुनिया भर में यह संदेश देने की कोशिश हुई कि मैतेयी हिन्दू उत्पीड़क हैं और पीड़ित समुदाय केवल कूकी हैं, जिनमें ज्यादातर ईसाई हैं। यह सच नहीं है कि पुलिस ने पहले इसका संज्ञान नहीं लिया था। 4 मई को घटना हुई थी और मामले में 18 मई को कांगपोकपी जिले में जीरो एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसके बाद मामला संबंधित पुलिस स्टेशन को भेज दिया गया। जब भी कहीं जातीय, नस्ली, सांप्रदायिक अलगाववादी हिंसा होती है तो सुरक्षाबलों व प्रशासन की पहली भूमिका उसे शांत करने की रहती है। आप इंडीजीनस ट्राइबल फोरम के विरोध प्रदर्शन को देखिए तो सभी काला ड्रेस पहने हुए हैं। इतनी संख्या में काला ड्रेस मुफ्त नहीं मिल सकता। साफ है कि विरोध के पीछे ऐसी शक्तियां हैं जो कुछ अलग उद्देश्य पाना चाहती हैं। वस्तुतः मणिपुर की हिंसा का यह ऐसा पहलू है जिसको समझने की कोशिश करनी होगी। अभी तक के आंकड़ों के अनुसार मणिपुर में कुल 6000 हिंसा की घटनाएं हुईं, 5000 से ज्यादा प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है, 6700 से ज्यादा लोग गिरफ्तार हैं,70 हजार के आसपास विस्थापित हैं, 10 हजार ने मणिपुर छोड़ दिया तथा 160 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। अनेक मारे गए लोगों के शव मोर्चुअरी में पड़े हैं जिन्हें ले जाने वाला कोई नहीं। उन हालातों में न जाने कितने भयावह और जघन्य अपराध हुए होंगे इसकी आसानी से कल्पना की जा सकती है। उसमें एक वीडियो समय का ध्यान रखते हुए जारी करने का उद्देश्य क्या हो सकता है? आने वाले समय में ऐसी और घटनाओं के भी विवरण आएंगे जो हमें आपको बार-बार अंदर से हिला सकते हैं। 4 जून को ही भीड़ ने एक एंबुलेंस को रास्ते में रोक उसमें आग लगा दी। एंबुलेंस में सवार 8 साल के बच्चे, उसकी मां और एक अन्य रिश्तेदार की मौत हो गई। मृतका मां मैतेई समुदाय से आती थीं और उनकी शादी एक कुकी से हुई थी। इस तरह की हिंसा को किस श्रेणी में रखेंगे?

वीडियो जारी करने वाले विश्व भर को संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि मैतेयी हिंदुओं ने कूकी ईसाइयों के साथ इसी तरह की बर्बरता की। साफ है कि वह केंद्र एवं प्रदेश दोनों सरकारों को विश्व भर में अल्पसंख्यकों का खलनायक तो साबित कर ही रहे हैं ऐसी स्थिति पैदा करना चाहते हैं ताकि वहां हिंसा कायम रहे और वे अपना लक्ष्य पा सके।

इस संघर्ष को हिंदू बनाम ईसाई संघर्ष कहना गलत होगा। ईसाई संघर्ष होता तो इसमें नगा भी शामिल होते। हां, अलगाववाद और हिंसा के पीछे चर्च अवश्य मुख्य प्रेरक कारक है। पूर्वोत्तर में अलगाववाद एवं हिंसक आंदोलनों के पीछे चर्च की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और आज भी है। मणिपुर में कूकियों का एक बड़ा समूह म्यान्मार से आया। इन्हें चिन कूकी कहा जाता है। इनके अनेक हथियारबंद समूह खड़े हैं। इनका लक्ष्य बांग्लादेश, म्यानमार और मणिपुर के हिस्से को मिलाकर एक स्वतंत्र देश बनाना है। मैतेयी मणिपुर तक सीमित है लेकिन कुकी पूरे पूर्वोत्तर में फैले हैं जिनमें गैर ईसाई अब बहुत कम होंगे। 2008 में लगभग सभी कुकी विद्रोही संगठनों के साथ केंद्र सरकार ने सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन या एसओएस समझौता किया जिसका उद्देश्य इनके विरुद्ध सैन्य कार्रवाई रोकना था। कई संगठनों ने वादा नहीं निभाया। अंततः इस वर्ष 10 मार्च को मणिपुर सरकार ने दो संगठनों के साथ समझौता रद्द कर दिया। ये संगठन हैं जोमी रेवुलुशनरी आर्मी यानी जेडआरए और कुकी नेशनल आर्मी यानी केएनए। बीरेन सिंह सरकार ने इनके विरुद्ध कार्रवाई शुरू की। एरियल सर्वे कराकर अफीम की खेती को नष्ट करना आरंभ हुआ। मादक औषधियों के व्यापार के लिए कुख्यात म्यानमार, थाईलैंड, बैंकॉक का गोल्डन ट्रायंगल इससे जुड़ा है। दूसरे, जंगलों की भूमि पर इनके अवैध कब्जे को भी मुक्त कराने का अभियान चला। मणिपुर का लगभग 90 प्रतिशत क्षेत्र पहाड़ी तथा 10 प्रतिशत मैदानी हैं। मैतेयी मणिपुर की लगभग 53 -54 प्रतिशत आबादी है, जो हिंदू हैं, लेकिन 10प्रतिशत मैदानी क्षेत्रों यानी इंफाल घाटी में रहते हैं। पहाड़ी इलाकों के 33 मान्य जनजातियों में मुख्यतः नंगा और कुकी हैं जिनमें ज्यादातर का ईसाई धर्म में धर्मांतरण हो चुका है। मैतेयी समुदाय 1949 तक आदिवासी माना जाता था। इन्हें सामान्य जाति बना दिया गया। ये सारी सुविधाओं और विशेष अधिकारों से वंचित हो गए। दूसरी ओर पहाड़ी जनजातियों को संविधान से विशेषाधिकार मिले हैं। भूमि सुधार कानून के अनुसार कुकी और नगा तथा अन्य जनजातियां मैदानी क्षेत्र में जमीन खरीद सकते हैं लेकिन मैतेयी पहाड़ी क्षेत्र में नहीं खरीद सकते। कूकी और नगा धीरे-धीरे मैदानी इलाकों की जमीन खरीद कर इसमें बस रहे हैं,चर्चों की संख्या बढ़ रही है। परिस्थितियों में मैतेयी समुदाय के भी कुछ लोग ईसाई धर्म कर ग्रहण कर चर्च में जाने लगे हैं। इससे वहां सामाजिक तनाव बढ़ता गया है। वैसे मणिपुर में कूकियों के साथ अन्याय का आरोप लगाने वाले नहीं बताते कि राजनीति में अवश्य मैतेयी समुदाय का वर्चस्व है लेकिन पुलिस और प्रशासन मुख्यतः कूकियों के हाथ में है। घटना के दौरान पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस उप महानिदेशक दोनों कूकी थे। प्रदेश में 21भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी कूकी हैं। सरकार द्वारा संरक्षित जंगलों और वन अभयारण्य में गैरकानूनी कब्जा करके अफीम की खेती करने के विरुद्ध अभियान जैसे-जैसे बढ़ा अलगाववादी समूहों ने कूकियों को भड़काया कि भाजपा केवल हिंदुओं के हितों के लिए काम कर रही है और तुम्हारी पुश्तैनी जमीन से तुम्हें हटा रहे है। 3 मई को कूकियों की रैली थी और इसी दौरान कांगपोकपी नाम की जगह पर पुलिस से उनका टकराव हुआ। महिलाओं को नग्न कर भीड़ द्वारा उत्पीड़न करने का वीडियो वहीं के पास का है। टकराव में पांच प्रदर्शनकारियों के साथ पांच पुलिसवाले भी घायल हुए थे। कल्पना की जा सकती थी कि वहां क्या स्थिति रही होगी।

बंद और विरोध प्रदर्शन चुराचंदपुर में हुआ जहां मुख्यतः कूकी और नागा आबादी है लेकिन हिंसा की घटनाएं इंफाल घाटी में हुई। 27-28 अप्रैल तक हिंसा कूकी और पुलिस के बीच थी। इसके बाद यह मैतेयी और कूकी टकराव में बदला। 3 मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ने यह आरोप लगाते हुए एकता मार्च' निकाला कि सरकार मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने जा रही है। उसके साथ हिंसा शुरू हो गई।

महिलाओं का वीडियो ठीक इसके अगले दिन का है। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए यह अवश्य ध्यान रखिए कि कूकी महिलाएं संघर्ष के अग्रिम मोर्चे पर रखी जाती हैं। इंडियन आर्मी गो बैक की तख्तियां लेकर आंदोलन के अग्रिम पंक्तियों में चलती महिलाओं की तस्वीरें वहां आम हैं। ऐसे मामलों में कानून निष्पक्षता से कार्रवाई करें यह हम सब चाहेंगे। किंतु जितनी बड़ी खाई हो गई है उसको पाटने के लिए कई स्तरों पर लंबे समय तक काम करने की आवश्यकता है। ऐसे संवेदनशील मामले में अत्यंत सधे हुए तरीके से प्रतिक्रियाएं व्यक्त करने एवं कदम उठाने की आवश्यकता है। दुर्भाग्य से हमारी राजनीति क्षण भर के लिए भी ठहर कर इस दिशा में सोचने को तैयार नहीं है।

मुद्दा

दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस के मार्ग में कांटे ही कांटे

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

आम आदमी पार्टी ने मोदी विरोध की खातिर विपक्षी गठबंधन इंडिया का दामन जरूर थाम लिया है मगर 2024 के लोकसभा चुनावों में विशेषकर दिल्ली और पंजाब में उसे लोहे के चन्ने चबाने होंगे। दिल्ली में इस समय केंद्र और राज्य में अधिकारों की लड़ाई चल रही है। कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं है। आम आदमी पार्टी ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया है। पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्य मंत्री अरविन्द केजरीवाल ने इस मुद्दे पर कांग्रेस का समर्थन पाकर ही इंडिया नाम के गठबंधन में शामिल होने का फैसला किया है। हालाँकि पंजाब और दिल्ली प्रदेश के कांग्रेसी नेता इसके सख्त खिलाफ है। मगर कांग्रेस आलाकमान ने अपने नेताओं के विरोध के बावजूद केजरीवाल का समर्थन करने का निर्णय लिया। मगर असली अग्नि परीक्षा लोकसभा चुनावों में होंगी जब सीटों के बंटवारे की बात चलेगी। दिल्ली की सातों सीटें इस समय भाजपा के पास है। पिछले चुनावों में आधी सीटों पर कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही थी और कांग्रेस इन सीटों को किसी भी हालत में छोड़ने को तैयार नहीं होंगी।

एनडीए के खिलाफ विपक्षी महागठबंधन इंडिया को लेकर पंजाब में घमासान मच गया है। कांग्रेस ने इंडिया को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। लेकिन अब पंजाब कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि आम आदमी पार्टी के साथ किसी तरह का गठबंधन नहीं हो सकता। पंजाब में लोकसभा की 13 सीटें है जिनमें से इस समय कांग्रेस के पास 8, भाजपा और अकाली दल के पास दो दो और आम आदमी पार्टी के पास एक सीट है। पंजाब में इस समय आम आदमी पार्टी सत्तारूढ़ है। यह पार्टी कभी नहीं चाहेगी की कांग्रेस को पिछली जीती हुई आठों सीटें उपहार में दे दी जाये। यहीं जाकर गठबंधन धर्म का पेच फंसेगा। पंजाब में इस समय कांग्रेस की बुरी हालत है उसके सभी प्रमुख नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए है। पंजाब के कांग्रेसी नेता आम आदमी पार्टी के साथ किसी तरह का गठबंधन नहीं करना चाहते है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जिस पार्टी की सरकार ने उनके पूर्व उप मुख्यमंत्री सहित पांच पूर्व मंत्रियों को जेल में डाले हो, उसके साथ गठबंधन कैसा। सुनील जाखड़ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाकर प्रदेश अध्यक्ष का पद संभाले हुए है। पंजाब में चौतरफा मुकाबले से इंकार नहीं किया जा सकता। यदि आप और कांग्रेस में समझौता हो जाता है तो भी वर्तमान हालातों में त्रिकोण संघर्ष होगा। अकालियों का बसपा से समझौता है। यदि अकाली दल एनडीए में शामिल हो जाते है तो इंडिया गठबंधन से सीधा संघर्ष होने की सम्भावना है।

गौरतलब है अन्ना आंदोलन के दौरान आम आदमी पार्टी का गठन कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन से हुआ है। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल और अन्य नेता प्रारम्भ से ही कांग्रेस आलाकमान पर हमलावर रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब से कांग्रेस को बाहर का रास्ता दिखाया है। गुजरात और गोवा में भी आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनाव लड़ा था जहां कांग्रेस को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। आश्चर्य इस बात का है कि जिस पार्टी ने कांग्रेस को नुक्सान पहुंचाया आज कांग्रेस उसी पार्टी के साथ गठबंधन को तैयार हो गई है।

मुद्दा

क्यों जरूरी है बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा देना?

आर.के. सिन्हा

अभी कुछ दिन पहले ही केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसआई) ने एक बेहद जरूरी फैसला लिया। इसके तहत अब सीबीएसई स्कूलों को प्री-प्राइमरी से 12वीं कक्षा तक क्षेत्रीय व मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने का विकल्प देगी। अब तक, राज्य बोर्ड स्कूलों के विपरीत, सीबीएसई स्कूलों में केवल अंग्रेजी और हिंदी माध्यम ही शिक्षा प्राप्त करने का विकल्प था। सीबीएसई ने अपने सभी संबंधित स्कूलों से कहा है कि जहाँ तक संभव हो सके यथाशीघ्र तो पांचवीं कक्षा तक क्षेत्रीय भाषा में या फिर बच्चे की मातृभाषा में पढ़ाई के विकल्प उपलब्ध करायें। बेशक, यह एक युगांतकारी फैसला है। हरेक बच्चे के पास यह विकल्प होना ही चाहिए कि वह अपनी मातृभाषा में स्कूली शिक्षा ग्रहण कर सके। हां, उसे विषय के रूप में कोई एक भाषा या एकाधिक भाषाएं पढ़ाई जा सकती हैं।

भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ने भी अपनी स्कूली शिक्षा क्रमश: अपनी मातृभाषाओं हिन्दी और मराठी में ही ली थी। ये दोनों आगे चलकर अंग्रेजी में भी महारत हासिल करने में सफल रहे। इन दोनों से बड़ा ज्ञानी कौन होगा। यानी आप प्राइमरी तक अपनी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने के बाद बेहतर ढंग से आगे बढ़ सकते हैं। टाटा समूह के चेयरमेन नटराजन चंद्रशेखरन ने भी अपनी स्कूली शिक्षा अपनी मातृभाषा तमिल में ही ली थी। उन्होंने स्कूल के बाद इंजीनियरिंग की डिग्री रीजनल इंजीनयरिंग कालेज (आरईसी), त्रिचि से हासिल। यह जानकारी अपने आप में महत्वपूर्ण इस दृष्टि से है कि तमिल भाषा से स्कूली शिक्षा लेने वाले विद्यार्थी ने आगे चलकर अंग्रेजी में भी महारत हासिल किया और करियर के शिखर को छुआ।

बेशक, भारत में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने की अंधी दौड़ के चलते अधिकतर बच्चे असली शिक्षा को पाने के आनंद से वंचित रह जाते हैं। असली शिक्षा का आनंद तो आप तब ही पा सकते हैं,जब आपने कम से कम पांचवीं तक की शिक्षा अपनी मातृभाषा में ही हासिल की हो। विभिन्न अध्ययनों से प्रमाणित हो चुका है कि जो बच्चे मातृभाषा में स्कूली शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे अधिक सीखते हैं। अंग्रेजी का विरोध नहीं है या अंग्रेजी शिक्षा या अध्ययन को लेकर कोई आपत्ति भी नहीं है। पर भारत को अपनी भाषाएं, चाहे हिन्दी, तमिल, बांग्ला या कोई अन्य, में प्राइमरी स्कूली शिक्षा देने के संबंध में तो बहुत पहले ही फैसला ले लेना चाहिए था। क्योंकि उसके बिना बच्चों को सही शिक्षा तो नहीं दी जा सकती। हां, शिक्षा के नाम पर प्रमाणपत्र जरूर बांटे जा सकते हैं। याद रखे कि शिक्षा का अर्थ है ज्ञान। बच्चे को ज्ञान कहां मिला? हम तो उन्हें नौकरी पाने के लिए तैयार कर रहे हैं। अभी हमारे यहां पर दुर्भाग्यवश स्कूली या कॉलेज शिक्षा का अर्थ नौकरी पाने से अधिक कुछ भी नहीं है। आजादी के बाद हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के उत्थान का जो सपना देखा गया था वह सपना दस्तावेजों और सरकारी कार्यक्रमों मेंही दबकर रह गया था।

हम सब जानते हैं कि सारे देश में अंग्रेजी के माध्यम से स्कूली शिक्षा लेने- देने की महामारी ने अखिल भारतीय स्वरूप ले लिया है। जम्मू-कश्मीर तथा नगालैंड ने अपने सभी स्कूलों में शिक्षा का एकमात्र माध्यम अंग्रेजी ही कर दिया है। महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु समेत कुछ और अन्य राज्यों में छात्रों को विकल्प दिए जा रहे हैं कि वे चाहें तो अपनी पढ़ाई का माध्यम अंग्रेजी रख सकते हैं। यानी बच्चों को उनकी मातृभाषा से दूर करने की भरपूर कोशिशें हुईं।

विद्यार्थियों को मातृभाषा में शिक्षा देना मनोवैज्ञानिक और व्यवहारिक रूप से वांछनीय है, क्योंकि, विद्यालय आने पर बच्चे यदि अपनी भाषा में पढ़ते हैं, तो वे विद्यालय में आत्मीयता का अनुभव करने लगते हैं और यदि उन्हें सब कुछ उन्हीं की भाषा में पढ़ाया जाता है, तो उनके लिए सारी चीजों को समझना बेहद आसान हो जाता है। समूचे संसार के भाषा-वैज्ञानिकों, अध्यापकों और शिक्षा से जुड़े अन्य जानकारों की राय है कि बच्चा सबसे आराम से अपनी भाषा में पढ़ाए जाने पर ही शिक्षा ग्रहण करता है। जैसे ही उसे किसी अन्य भाषा में पढाया जाने लगता है, तब ही गड़बड़ चालू हो जाती है। पर हमारे देश में तो यही होता चला आ रहा है। कई अध्ययनों से साबित हो चुका है कि जो बच्चे अपनी मातृभाषा में प्राइमरी से पढ़ना चालू करते हैं उनके लिए शिक्षा क्षेत्र में आगे बढ़ने की संभावनाएं अधिक प्रबल रहती हैं। यानी बच्चे जिस भाषा को घर में अपने अभिभावकों,भाई-बहनों, मित्रों के साथ बोलते हैं, उसमें पढ़ने में उन्हें अधिक सुविधा रहती है। अफसोस कि हमारे देश के एक बड़े वर्ग ने मान लिया है कि अंग्रेजी जाने-समझे बिना गति नहीं है। इसके चलते हर स्तर पर इसे बढ़ावा देने की मानसिकता नजर आती है। एक तरह से यह सोच घर कर गई है कि अंग्रेजी जाने बिना दुनिया अधूरी-अधकचरी है। बेशक, इसी मानसिकता के चलते हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा अपनी आय का एक बड़ा भाग अपने बच्चों को कथित अंग्रेजी स्कूलों में भेजने पर खर्च करने लगा है। एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में भारत के 25 फीसद स्कूली बच्चे उन स्कूलों में पढ़ाई शुरू करने लगे हैं, जहां पर मातृभाषा की बजाय शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। इन बच्चों को शिक्षा का आनंद आ ही नहीं सकता। और इनमें से अनेक अंग्रेजी की अनिवार्यता का चलते स्कूलों को छोड़ देते हैं। खैर, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसआई) के ताजा फैसले से एक उम्मीद अवश्य जागी है कि चलो हमने भी भारत की अपनी भाषाओं को सम्मान देना भले ही देर से चालू तो किया।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैयाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कनाडा में भारतीय छात्र की हिंसक हमले के बाद मौत

टोरंटो/भाषा

कनाडा में खाना पहुंचाने वाली कंपनी के कर्मचारी के रूप में काम करने वाले एक 24 वर्षीय भारतीय छात्र की हिंसक हमले के कुछ दिन बाद मौत हो गयी। हमलावर भारतीय छात्र से कार छीनने की कोशिश कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है।

सीटीवी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, गुरविंदर नाथ 9 जुलाई को देर रात 2 बजकर करीब 10 मिनट पर मिसिसॉगा के ब्रिटानिया और क्रेडिटव्यू रोड पर पिज्जा पहुंचा रहा था। तभी कुछ अज्ञात संदिग्धों ने उससे झगड़ा किया और उसका वाहन चुराने की कोशिश की। पील रीजनल पुलिस के होमीसाइड ब्यूरो के निरीक्षक फिल किंग ने कहा,'जांचकर्ताओं का मानना है कि इसमें कई संदिग्ध शामिल हैं और पीड़ित को इस क्षेत्र में बुलाने के लिए खाना मंगवाया था।' उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं ने हमले से पहले मंगाए गए पिज्जा आर्डर की ऑडियो रिकॉर्डिंग प्राप्त कर ली है।

पुलिस ने बताया कि नाथ के आने के बाद हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया और गंभीर रूप से घायल अवस्था में छोड़कर वे वाहन लेकर फरार हो गए।

घटनास्थल पर कई लोग सहायता के लिए आगे आए और मदद की गुहार लगायी। नाथ को ट्रामा सेंटर ले जाया गया जहां उसे 14 जुलाई को मृत घोषित कर दिया गया।

कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (सीबीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूत सिद्धार्थ नाथ ने कहा कि गुरविंदर की मृत्यु 'हृदय विदारक क्षति' है और उन्होंने उसके परिवार, दोस्तों एवं समुदाय के प्रति संवेदना व्यक्त की।

महावाणिज्य दूत ने गुरविंदर के परिवार से भी संपर्क किया।

उन्होंने कहा,' समुदाय ने जिस तरह से मदद का हाथ बढ़ाया, उससे मुझे खुशी हुई की कैसे दुख की इस घड़ी में परिवार का समर्थन करने के लिए वे आगे आए।' महावाणिज्य दूत ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। सीबीसी ने बताया कि नाथ का शव टोरंटो में भारतीय महावाणिज्य दूतावास की मदद से 27 जुलाई को भारत लाया जाएगा। पुलिस ने बताया कि नाथ और हमलावरों के बीच कोई ज्ञात संबंध नहीं था।

किंग ने बताया कि जांच प्रारंभिक स्तर पर होने के बावजूद पुलिस का मानना है कि नाथ निर्दोष था।

किंग ने बताया कि नाथ का वाहन हमले के कुछ घंटों बाद ओल्ड क्रेडिटव्यू और ओल्ड डेरी रोड क्षेत्र में लावारिस हालत में पाया गया जो अपराध स्थल से पांच किलोमीटर से भी कम दूरी पर था।

विरोध

मणिपुर में हिंसा और यौन उत्पीड़न के खिलाफ सोमवार को पटना में विरोध मार्च में भाग लेते सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यकर्ता।

कश्मीर में जी-20 समूह की बैठक की सफलता से पाकिस्तान हताश

जम्मू/भाषा

जम्मू-कश्मीर में हाल में सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों में वृद्धि देखी गई है और सेना के जवानों ने दो महीने में 20 से अधिक आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि कश्मीर में जी-20 समूह की बैठकों की सफलता से पाकिस्तान हताश है। सुरक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक मई में जी-20 समूह की बैठकों के दौरान घुसपैठ की कोशिशों में काफी वृद्धि हुई थी और यह सिलसिला जून तथा जुलाई में भी जारी रहा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक कुलदीप खोड़ा ने कहा कि पाकिस्तान ने केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद को बढ़ावा देने की अपनी कोशिशों को फिर से शुरू कर दिया है, लेकिन सुरक्षा बलों और पुलिस ने इन प्रयासों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया है, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है। कुलदीप खोड़ा ने कहा कि पिछले 10 से 12 वर्षों के दौरान जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों ने पुंछ क्षेत्र के जरिए घुसपैठ की कोशिशें तेज कर दी हैं।''

पदोन्नत

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सोमवार को रांची में मुख्यमंत्री कार्यालय में झारखंड पुलिस सेवा (जेपीएस) के नव पदोन्नत 24-आईपीएस अधिकारियों के कंधे पर नया बैज लगाते हुए।

जब ग्रीनलैंड हरा-भरा था: बर्फ के एक मील के नीचे की प्राचीन मिट्टी भविष्य के लिए चेतावनी

बर्लिंगटन/लोगान

लगभग 400,000 साल पहले, ग्रीनलैंड के बड़े हिस्से बर्फ-मुक्त थे। द्वीप की उत्तर-पश्चिमी उच्चभूमि पर झाड़ीदार टुंड्रा सूर्य की किरणों का आनंद लिया करता था। साक्ष्य बताते हैं कि कीड़ों से गुलजार स्प्रूस पेड़ों का जंगल, ग्रीनलैंड के दक्षिणी हिस्से में फैला हुआ था। उस समय वैश्विक समुद्र का स्तर बहुत अधिक था, आज के स्तर से 20 से 40 फुट ऊपर। दुनिया भर में, वह भूमि जो आज करोड़ों लोगों का घर है, पानी में डूबी हुई थी।

वैज्ञानिक काफी समय से जानते हैं कि ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर पिछले दस लाख वर्षों में किसी न किसी समय गायब हो गई थी, लेकिन निश्चित रूप से नहीं कह सकते कि यह कब गायब हुई थी।

जर्नल साइंस में एक नए अध्ययन में, हमने ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर के लगभग एक मील मोटे हिस्से के नीचे से शीत युद्ध के दौरान निकाली गई जमी हुई मिट्टी का उपयोग करके तारीख निर्धारित की।

समय - लगभग 416,000 वर्ष पहले, जिसमें बड़े पैमाने पर बर्फ-मुक्त स्थितियाँ 14,000 वर्षों तक चलीं - महत्वपूर्ण है। उस समय, पृथ्वी और इसके प्रारंभिक मानव सबसे लंबे अंतर-हिमनद काल से गुजर रहे थे क्योंकि बर्फ की चादरें 25 लाख वर्ष पहले उच्च अक्षांशों को ढके हुए थीं। उस प्राकृतिक वार्मिंग की लंबाई, परिमाण और प्रभाव हमें उस पृथ्वी को समझने में मदद कर सकते हैं जिसे आधुनिक मानव अब भविष्य के लिए बना रहे हैं। जुलाई 1966 में, अमेरिकी वैज्ञानिकों और अमेरिकी सेना के इंजीनियरों ने ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर को खोदने का छह साल का प्रयास पूरा किया। ड्रिलिंग कैंप सेंचुरी में हुई, जो सेना के सबसे असामान्य अड्डों में से एक है - यह परमाणु ऊर्जा से संचालित था और ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर में खोदी गई सुरंगों की एक शृंखला से बना था। उत्तर पश्चिमी ग्रीनलैंड में ड्रिल स्थल तट से 138 मील दूर था और 4,560 फीट बर्फ से दबा हुआ था। एक बार जब वे बर्फ के नीचे पहुंच गए, तो टीम ने नीचे जमी हुई, चट्टानी मिट्टी में 12 फीट और ड्रिलिंग जारी रखी।

1969 में, भूभौतिकीविद विली डैन्सगार्ड के कैंप सेंचुरी के बर्फ कोर के विश्लेषण से पहली बार यह विवरण सामने आया कि पिछले 125,000 वर्षों में पृथ्वी की जलवायु में नाटकीय रूप से कैसे बदलाव आया है।

विस्तारित शीत हिमनद काल जब बर्फ का तेजी से विस्तार हुआ तो गर्म अंतर हिमनद काल का मार्ग प्रशस्त हुआ जब बर्फ पिघली और समुद्र का स्तर बढ़ गया, जिससे दुनिया भर के तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आ गई।

'अंजू 20 अगस्त को भारत लौटेगी, उससे शादी की कोई योजना नहीं'

पेशावर। पाकिस्तान के दूर दराज के गांव में फेसबुक के जरिये बने अपने पुरुष मित्र से मिलने आई भारतीय विवाहिता महिला अंजू वीजा की अवधि पूरी होने पर 20 अगस्त को स्वदेश लौट जाएगी। यह जानकारी अंजू के पाकिस्तानी मित्र नसरुल्ला ने सोमवार को दी जिससे मिलने वह यहां आई हुई है।

नसरुल्ला ने इसके साथ ही अंजू से प्रेम संबंध होने की दावों को भी खारिज कर दिया।

नसरुल्ला (29) ने कहा कि उसकी 34 वर्षीय अंजू से विवाह करने की कोई योजना नहीं है। अंजू का जन्म उत्तर प्रदेश के कैलोर गांव में हुआ था और वह राजस्थान के अलवर में रहती थी। नसरुल्ला और अंजू की दोस्ती 2019 में फेसबुक के माध्यम से हुई थी। पेशावर से करीब 300 किलोमीटर दूर कुल्शो गांव से फोन पर बातचीत में नसरुल्ला ने कहा, '' अंजू पाकिस्तान आयी हुई है और हमारी शादी करने की कोई योजना नहीं है।''

उन्होंने कहा, '' वह 20 अगस्त को वीजा अवधि समाप्त होने पर अपने देश लौट जाएगी। अंजू मेरे घर में परिवार की अन्य महिलाओं के साथ दूसरे कमरे में रहती है।''

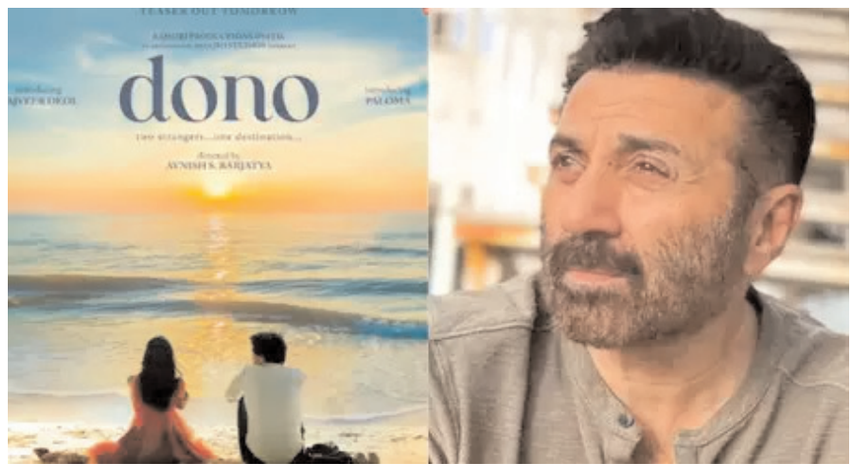

राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोनों' का पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

राजश्री प्रोडक्शन और जिओ स्टूडियो के बैनर तले बन रही फिल्म दोनों का पोस्टर रिलीज हो गया है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपने 75वें वर्ष को चिह्नित करते हुए, राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड ने अपनी 59वीं फिल्म दोनों की घोषणा की।इस फिल्म का निर्देशन सूरज बड़जात्या के पुत्र अवनीश एस. बड़जात्या कर रहे हैं। फिल्म दोनो का पोस्टर रिलीज हो गया है। इस फिल्म से सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर देओल डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म में राजवीर देओल के अपोजिट मुख्य भूमिका में बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा नजर आएंगी।उनकी भी ये डेब्यू फिल्म ही है।

इस फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर लिखा, ये एक नई शुरुआत की शुरुआत है। ' राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड जियो स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत दोनों को कमल कुमार बड़जात्या, राजकुमार बड़जात्या, अजीत कुमार बड़जात्या और ज्योति देशपांडे ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म के लिए क्रिएटिव प्रोडक्शन का नेतृत्व सूरज आर. बड़जात्या कर रहे हैं।

फिल्मों के बीच तुलना नहीं की जानी चाहिए : सनी देओल

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल का कहना है कि फिल्मों के बीच तुलना नहीं की जानी चाहिये। सनी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म गदर 2 को लेकर चर्चा में है। गदर 2, 11 अगस्त को रिलीज होने जा रही है। इसी दिन अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी 2 भी रिलीज होने जा रही है। सनी देओल ने गदर 2 और ओएमजी 2 के क्लैश के बारे में पूछे जाने पर कहा, गदर: एक प्रेम कथा और आमिर खान की लगान एक साथ रिलीज हुई थी। मुझे समझ नहीं आता कि लोग फिल्मों की तुलना क्यों करते हैं, जबकि उनके बीच तुलना नहीं हो सकती। फिल्मों की तुलना दूसरी फिल्मों से नहीं की जानी चाहिए।

सनी देओल ने कहा, मुझे समझ में नहीं आता कि लोग तुलना क्यों करते हैं। मैं जो कहने की कोशिश कर रहा हूं वह यह है कि जो फिल्म ज्यादा अच्छी होती है फिर भी आप उसकी दूसरी फिल्मों के साथ तुलना करते हो। जिस चीज की बाराबरी नहीं है, उसकी तुलना मत करो। जिन फिल्मों की कोई तुलना नहीं है उन्हें एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा नहीं किया जाना चाहिए।

बच्चों को अपने फैसले लेने की आजादी होनी चाहिये : काजोल

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल का कहना है कि बच्चों को अपने फैसले लेने की आजादी होनी चाहिये। काजोल ने पेरेंट्स डे के अवसर पर अपने बच्चों युग और नीसा के बारे में बात की। काजोल ने कहा कि बच्चों को समय-समय पर अकेले रहने देना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें जिम्मेदार वयस्क बनने में मदद मिलेगी। काजोल ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हर किसी को अपने फैसले लेने की आजादी होनी चाहिए। मेरा यह मानना है कि समय-समय पर बच्चों को उनके साथ रहने देना चहिए, क्योंकि इससे उन्हें जिम्मेदार वयस्क बनने में मदद मिलेगी। एक मां के रूप में, मैंने उन्हें सही और गलत के बारे में मार्गदर्शन दिया है।हालांकि मैं किसी भी मामले में उनका समर्थन करने के लिए हमेशा मौजूद हूं।

'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 15 की तैयारी शुरू : अमिताभ

मुंबई/एजेन्सी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने कहा कि पॉपुलर क्विज गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति' (केबीसी) के 15वें सीजन की तैयारी शुरू हो गई है। अमिताभ ने रविवार को अपने ब्लॉग के जरिए शो के बारे में बताया।

अमिताभ बच्चन ने लिखा, ''केबीसी की तैयारी शुरू हो गई है और फ्लूअन्सी डेवलप होने तक इसे जारी रखने की जरूरत है। हम आखिरकार इंसान हैं और गलतियां होती हैं लेकिन उनसे बचने का प्रयास हमेशा किया जाता है। इसके बाद अमिताभ बच्चन ने सोमवार को अपने फैंस के साथ अपनी रविवार की मुलाकात की एक झलक साझा की, जिन्हें वह प्यार से अपना विस्तारित परिवार कहते हैं। अभिनेता ने शो के लिए एक अपडेट भी साझा किया।

अब विभिन्न प्लेटफार्मों पर प्रदर्शित प्रमोशनल डिक्री पर जो बदलाव सुनाई दे रहे हैं, वे गेम खेलने में स्पष्ट हैं और कल जो लोग केबीसी में जाएंगे, वे उनके बारे में जानने की स्थिति में होंगे। और यदि प्रसारण देखने का कोई अवसर नहीं है, तो सोनी लिव पर प्लेएलॉन्ग है, जो वादा करता है कि इस सीज़न में कुछ बेहतर अवसर होंगे, जिनमें से अधिक तब निर्धारित होंगे जब सोनी के लिए केबीसी सीज़न 15 शुरू होगा। 'कौन बनेगा करोड़पति' 'हू वांट्स टू बी ए मिलियनेयर?' का आधिकारिक हिंदी एडेप्टेशन (रूपांतरण) है। तीसरे सीजन को छोड़कर इसे शुरुआत से ही बिग बी द्वारा होस्ट किया गया। तीसरे सीजन में इसे अभिनेता शाहरुख खान ने प्रस्तुत किया था। फिल्मों की बात करें तो अमिताभ बच्चन अगली बार 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आएंगे। इसमें प्रभास, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी भी हैं।

कालकूट के लिए एसिड अटैक सर्वाइवर के मेकअप में खुद को देखकर भावुक हुयी श्वेता त्रिपाठी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी का कहना है कि वह कालकूट के लिये एसिड अटैक सर्वाइवर के मेकअप में खुद को देखकर भावुक हो गयी। श्वेता त्रिपाठी ने फिल्म कालकूट में एसिड अटैक सर्वाइवर की भूमिका निभायी है। श्वेता त्रिपाठी का कहना है कि कालकूट के लिए पहली बार एसिड अटैक का मेकअप करवाते समय वह भावुक हो गयी और उनकी आंखों में आंसू आ गये। श्वेता त्रिपाठी ने बताया, मैंने एक एसिड अटैक सर्वाइवर की भूमिका निभाई है।

मेकअप टेस्ट के दौरान, खुद को सर्वाइवर के रूप में देखकर मैं उनके दर्द को दिल से महसूस कर पाई।भावनाएं मुझ पर हावी हो गईं, और आंसू खुलकर बहने लगे। मैं पूरी टीम के अटूट धैर्य, समर्थन और मुझ पर विश्वास के लिए उनकी दिल से सराहना करना चाहूंगी। यह आपका समर्पण और मेरी क्षमताओं में विश्वास है जिसने मुझे इस किरदार की गहराई में जानने और उनकी कहानी को जीवंत करने का मौका दिया। कालकूट का निर्देशन सुमित सक्सेना ने किया है। कालकूट में विजय वर्मा, श्वेता त्रिपाठी, सीमा बिस्वास, यशपाल शर्मा और गोपाल दत्त अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। कालकूट 27 जुलाई को जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगा।

बोर्ड ने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से ममता बनर्जी का संदर्भ हटाने के लिए कहा

मुंबई/एजेन्सी

आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीएफबीसी) ने निर्माताओं को फिल्म से कुछ शब्द, संवाद और संदर्भ हटाने के लिए कहा है।

निर्माताओं से अन्य बदलावों के बीच अपशब्दों, लोकसभा का उल्लेख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संदर्भ को हटाने के लिए कहा गया है। निर्माताओं से फिल्म में कई बार इस्तेमाल की गई एक प्रचलित लेकिन अपमानजनक गाली भी हटाने के लिए कहा गया है। इस शब्द की जगह निर्माताओं ने अब 'बहन दी' शब्द का इस्तेमाल किया है।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, सीबीएफसी ने एक संवाद से लोकसभा का उल्लेख हटाने और इसके स्थान पर कोई दूसरा टर्म इस्तेमाल न करने के लिए भी कहा है।

निर्माताओं को रबींद्रनाथ टैगोर के दृश्य में बदलाव करने के लिए भी कहा गया है, जो फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद बड़े पैमाने पर चर्चा का विषय बन गया है।

रम का ब्रांड ओल्ड मॉन्क को फिल्म में बोल्ड मॉन्क में बदल दिया गया है। लैजरी शॉप सीन में एक डायलॉग हटाने के लिए कहा गया है जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का जिक्र आया है। इसी सीन में ब्रा शब्द के स्थान पर आइटम शब्द का इस्तेमाल किया गया है। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' दो घंटे 48 मिनट की फिल्म है। इसमें धर्मेंद्र और शबाना आजमी भी हैं। यह 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। करण जौहर द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक तेजतर्रार पंजाबी व्यक्ति और एक बौद्धिक बंगाली पत्रकार पर केंद्रित है जो एक-दूसरे से प्यार करते हैं। चूंकि उनके परिवार ने उनके रिश्ते का विरोध किया, इसलिए दोनों ने तीन महीने के लिए एक-दूसरे के परिवारों के साथ रहने का फैसला किया। फिल्म में तोता रॉय चौधरी, चूर्णी गांगुली और क्षिति जोग सहित कई अन्य कलाकार भी हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | मंगलवार | 25-07-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

कषाय धर्म और पुण्य का नाश करते हैं। कषाय यानी क्रोध- मान- माया- लोभ, निंदा, जुगुप्सा इत्यादि। क्रोध के स्वभाव ने आज तक हमारा अधिकांश बिगाड़ा ही है। क्रोध करने से चेहरे का निखार, सौंदर्य विकृत बनता है। इसके कारण देह के अंदर रक्तदबाव, ब्लडप्रेशर बढ़ने लगता है। रिश्ते बिगड़ने लगते हैं। क्रोध के समय यदि आयुष्य का बंध होता है तो नरक या तीर्यंच- पशु गति का होता है। क्रोध करने से पूरे दिन मन बेचैन रहता है। मान यानी अभिमान के दुर्गुण से हम सत्य को पहचान नहीं पाते। अभिमान का शिकार हुआ व्यक्ति किसी से भी अपने दोष की शुद्धि की अपेक्षा नहीं रख पाता।

विप्र प्रीमियर लीग का सेमीफाइनल 30 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में विप्र स्पोर्ट्स क्लब द्वारा प्रायोजित विप्र प्रीमियर लीग टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को क्वार्टर फाइनल मैच खेले गये। विप्र स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष शशिकान्त गौड़ ने बताया की पहला मैच दाहिमा यंगस्टर क्लब टीम का पारीक यूथ क्लब टीम से था जिसमे दाहिमा टीम विजयी हुई व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का इनाम विनोद शर्मा को दिया। दूसरा मैच खेतेश्वर स्पोर्ट्स क्लब टीम और सारस्वत टीम से था जिसमे खेतेश्वर टीम विजयी हुई व प्रवीण मोहराई को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया।

तीसरा मैच राजपुरोहित स्पोर्ट्स क्लब टीम का पुष्करणा टीम से था जिसमें राजपुरोहित टीम विजयी हुई व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का इनाम दिनेश राजपुरोहित को दिया गया। अन्तिम मैच आदिगौड़ टीम का खण्डेलवाल स्पोर्ट्स क्लब टीम से था जिसमें आदिगौड़ टीम विजयी हुई तथा तेजस को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया।

सेमीफाइनल मैच अगले रविवार को मेगना कॉलेज ग्राउंड पर आदिगौड़ टीम का खेतेश्वर स्पोर्ट्स क्लब टीम से व दाहिमा यंगेस्टर क्लब टीम का राजपुरोहित स्पोर्ट्स क्लब टीम से होगा।

मनुष्य भव में ही सम्भव राग द्वेष की गांठों को खोलना : जिनमणिप्रभसूरिश्वरजी

खतरगच्छ दिवस पर गौरवशाली इतिहास को किया उजागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुनिसुव्रत जिनकुशल जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री सुधर्मा वाटिका, गौतम किरण परिसर, वेपेरी में शासनोत्कर्ष वर्षावास में 1005वॉ खतरगच्छ दिवस गच्छाधिपति आचार्य भगवंत जिनमणिप्रभसूरीश्वर म. के सान्निध्य में मनाया गया। गच्छाधिपति ने कहा कि हमारा जीन शासन घना छायादार, विशाल वटवृक्ष है, जिस पर बड़ी बड़ी, छोटी छोटी डालियां है, हरे हरे पत्ते है। जितनी भी बड़ीबड़ी है डालियाँ मूल गच्छ है, उनमें निकली छोटीछोटी डालियाँ समुदाय है। हरे हरे पत्ते साधु-साध्वीयाँ, श्रावक-श्राविकाएं है। इस तरह चतुर्विध धर्मसंघ का वटवृक्ष है। यह वटवृक्ष सम्पूर्ण होता है तभी हमें छाया देता है। वटवृक्ष की जडें एक है, जमीन से पानी लेता है और डाली अंतिम पत्ते तक पानी पहुंचाती हैं। हाथ के अंगूठे, अंगुलियां अलग अलग होते हुए भी आपस में सहयोगी बन कर कार्य करती है, उसी तरह व्यवस्थाओं के आधार पर अलग अलग श्वेताम्बर-दिगम्बर, मूर्ति पूजक, स्थानकवासी, तेरापंथी है लेकिन मूल में सभी जीन भगवान महावीर के शासन की शासना में साधनारत हैं।

खतरगच्छ दिवस पर इतिहास का अवलोकन करवाते हुए आचार्य श्री ने कहा कि आज से 1004 वर्ष पूर्व द्वितीय श्रावण शुक्ल 6 को महान् तपस्वी, गणाधीश भगवंत श्री जगन्नसागरजी महाराज के 52 उपवास की तपस्या में लौहावट में देहावसान के दिन को श्रीसंघ की सहमति से खतरगच्छ दिवस के रूप में मनाया जाता आ रहा है। इस अवसरपिर्णी में भगवान आदिनाथ से लेकर भगवान महावीर ने आध्यात्मिक धर्म का प्रारुपण किया। अभी महावीर का शासन निर्बाध चल रहा है। सुधर्मा स्वामी से यह परम्परा चल रही थी। पहले उस परम्परा का नाम निर्गंथ धर्म था। निर्गंथ यानि ग्रंथि रहित, कोई गांठ नहीं। हम गांठ खोलने के लिए ही तो साधु बने हैं। अन्तर की गांठें खोलने के लिए ही संयम के मार्ग पर आये हैं। ⁎चारित्र स्वीकार करने के पिछे एक ही लक्ष्य रहता है कि हमारे अंतर में जो राग द्वेष की गांठे है, कर्मों की गांठे, मोह ममता की, जो अनादि काल से मैं गांठें बांधता आ रहा हूँ, बांध रहा हूँ, उन गांठों को खोलना है।

आचार्यश्री ने कहा कि परमात्मा का जीवन गांठें रहित था, न बाहर और न भीतर, कोई भी तरह की गांठें नहीं थी। हम चिन्तन करें, अनुभव करें हमारा जीवन गांठें खोलने वाला है या लगाने वाला। हम जीवन में लोगों से सम्पर्क करते है, आपस में व्यवहार करते हैं, सगे संबंधियों के साथ व्यवहार करते है, व्यापारिक, सामाजिक व्यवहार है। जीवन में कभी बोलचाल होती है। आपस में किसी प्रकार का लेनदेन, समस्याएं, वाद विवाद सब होते है, उसके बाद आप गांठें बांधते है, लगाते है या खोलने का काम करते है। हम क्या कर रहे है? अनुभव करना। तो पायेंगे कि हमारा अधिकतम जीवन गांठें लगाने में ही पूरा हो जाता है।

गांठें लगाने के जीवन हजारों है, तिर्यंच, नरक के भव में हम गांठें लगाते ही है। गांठें खोलने के लिए तो यह हमें मनुष्य भव मिला। गांठें खोलने की सुविधा केवल और केवल मनुष्य जन्म में ही है। हमारे भीतर में राग द्वेष दोनों भरे हैं। राग से ज्यादा द्वेष की गांठें गहराई से बंधी पड़ी है। हमें पहले द्वेष की गांठों को खोलना है, राग की गांठें तो स्वतः खुल जायेगी।

खरतरगच्छ दिवस पर हर्षोउल्लास से दादा गुरुदेव महापूजन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। खरतरगच्छ के गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री स्थविर मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्य मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी, मुनिश्री मतिषप्रभ सागरजी म. सा. कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के आराधना भवन में चातुर्मासार्थ विराजित हैं। सोमवार को सुबह महापूजन अनुष्ठान में मुक्तिप्रभसागरजी ने गीत के माध्यम से दादा गुरुदेव के गुणों का गान संगीतमय प्रस्तुति से किया। गणिवर्य मनिषप्रभसागरजी ने परमात्मा महावीर के उपकारों को स्मरण कराते हुए श्रद्धा भावों से पूजन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने दादा गुरुदेव का जीवन विस्तार से बताया। गुरु भगवान के जीवन पर प्रकाश डाला और सभी श्रद्धालु ने बढ़ चढ़ के लाभ लिया। पूरे तीन घंटे चले पूजन में मंत्र उच्चारण और विधि पूर्वक तीनों मुनिश्री द्वारा संचालित किया गया जिसमें जोड़ो ने श्रद्धा पूर्वक भाग लिया। महापूजन के मुख्य लाभार्थी रहे जेम लाइट भरत लाइट परिवार के श्याम सुंदर लूनिया और संतोष लूनिया का संघ द्वारा सम्मान किया गया। और यंत्र बांटने का लाभ मोहन चंद प्रेम लता गुलेच्छा ने लिया और शांति कलश का लाभ जेम लाइट भरत लाइट ने लिया। परमात्मा की आरती का लाभ दीपक क्रियेशन प्रा. लि. ने लिया और मंगल दीपक का लाभ लिया। जेम लाइट भरत लाइट और दादा गुरुदेव की आरती का लाभ रमेश प्रोविजन स्टोर के प्रकाश बोथरा ने लिया। सब लाभार्थी परिवार को संघ द्वारा सम्मान किया गया।

छात्रवृत्ति — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीतो चेन्नई चैप्टर ने 45 स्कूलों और कॉलेजों में लगभग 25 लाख मूल्य के लगभग 650 छात्रों को छात्रवृत्ति रविवार को वितरित की। अध्यक्ष रमेश दुगर के अनुसार, इस अवसर पर नरेंद्र श्रीश्रीमाल नेहाल शाह, गौतम बोकड़िया, डेनिल शाह और विजेंद्र बम आदि उपस्थित थे।

साध्वी धर्मप्रभा महाराज का दर्शन लाभ लेते हुए सदस्यगण।

गुरु दर्शन सह जीव दया कार्यक्रम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री ऑल इंडिया स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस, नई दिल्ली एवम तमिलनाडु प्रांतीय जैन कांफ्रेंस के आशीर्वाद से श्री तमिलनाडु प्रांतीय युवा शाखा द्वारा गत रविवार को चेन्नई शहर में चातुर्मासार्थ विराजित साधु संतों एवं साध्वियों के दर्शन के साथ ही जीवदया का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसके तहत रविवार को सुबह विशेष बस द्वारा शहर के उपनगर तांबरम में साध्वी सुशीला कंवरजी म.सा. एवम अन्य सती वृंद के दर्शन एवं मंगल प्रार्थना के बाद तांबरम में साधर्मिक परिवार द्वारा संचालित गौशाला में गायों को गुड़ चारा इत्यादि खिलाया गया। जीव दया की मासिक श्रृंखला का यह कार्यक्रम नवरतनमल आनंद छल्लानी परिवार के सहयोग से सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात टी नगर स्थानक में विराजित पूज्य वीरेंद्र मुनि म.सा. एवम एएमकेएम सेन्टर में विराजित पूज्य चैतन्यश्रीजी म.सा आदि के दर्शन वंदन एवम आशीर्वाद प्राप्त करते हुए साऊकारपेट जैन भवन में विराजित साध्वी धर्मप्रभाजी म.सा. के दर्शन एवं मांगलिक का लाभ लिया। उपरोक्त कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा उपाध्यक्ष विमल खाबिया, प्रमुख मार्गदर्शक हरीश खारीवाल, युवा अध्यक्ष आनंद बालेचा, युवा महांमत्री मनीष रांका, कोषाध्यक्ष अमित सुराणा, मंत्री नवीन खारीवाल, संगठन मंत्री राकेश बोहरा, जीव दया योजना अध्यक्ष शांतिलाल गुगलिया, वैयावच्च सेवा अध्यक्ष महेंद्र सेठिया, मंत्री दीपक बाघमार, जीवन प्रकाश योजना के मंत्री नवीन रांका आदि पदाधिकारियों के साथ मोहित तालेड़ा, दिनेश, अजित कोठारी, प्रवीण, दिलीप चोरड़िया, शांतिलाल रांका, धर्मेन्दर सिसोदिया, सिद्धार्थ रूणवाल, अरिहंत कांकरिया का सहयोग प्राप्त हुआ।

दूसरों का हित करने से बड़ा कोई धर्म नहीं : देवेंद्रसागरसूरि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन मूर्तिपूजक जैन संघ में पूज्य आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने धर्म वाणी का श्रवण कराते हुए कहा कि धर्म की स्थापना को एक साधारण मनुष्य केवल पूजा स्थलों की स्थापना से ही समझता है, जबकि इसके लिए धर्म शब्द का अर्थ समझना आवश्यक है। मानव जीवन को सुचारु रूप से चलाने और सृष्टि के विकास के लिए हर संप्रदाय के महापुरुषों ने आचरण संहिता बनाई, जिसका मुख्य उद्देश्य था कि मनुष्य का मनुष्य के प्रति इस प्रकार का व्यवहार हो जिसके द्वारा दूसरे मानव को पीड़ा न हो और प्रकृति का संरक्षण हो। उस समय आज के समान कानून की किताबें नहीं थीं और इसी आचरण संहिता को धर्म नाम से पुकारा जाने लगा। हर प्रकार की चोरी, झूठ बोलना, भावनात्मक और शारीरिक हिंसा और स्त्रियों के प्रति अभद्र व्यवहार कानून के अनुसार भी गलत हैं और इसी प्रकार से धर्म की दृष्टि से भी अनुचित है। इसलिए धर्म स्थापना का वास्तविक तात्पर्य है मनुष्य को उस मार्ग की ओर प्रेरित करना जिसके अनुसरण करने से वह परपीड़ा जैसे अपराध से बच सके। यह एक अटल सत्य है कि दूसरे को पीड़ा देने वाले को भी उतनी ही मानसिक पीड़ा बदले में मिलती है। हालांकि वह इसका प्रदर्शन नहीं करता, परंतु यह सब उसके मन में एकत्र होकर उसे मानसिक व्याधियों के साथ शारीरिक व्याधियां भी देती हैं। इसीलिए कहा है, दूसरों का हित करने से बड़ा कोई धर्म नहीं और दूसरों को कष्ट देने से बड़ा अधर्म या पाप कोई नहीं है। हित और पीड़ा ऐसे दो भाव हैं, जिनके द्वारा मानव व्यवहार के सकारात्मक और नकारात्मक भावों का पूरा चित्रण हो जाता है। दूसरों का हित करने वाला व्यक्ति सब प्राणियों की सेवा में परम आनंद का अनुभव करेगा और दूसरों को कष्ट देने वाला क्रोध, लोभ, मोह और ईर्ष्या से ग्रस्त होकर ही दूसरों को कष्ट देने की सोचता है। इसलिए पूजा स्थलों तक ही धर्म को सीमित न करके प्राणियों की सेवा का उदाहरण स्थापित करके धर्म की स्थापना सच्चे अर्थों में की जानी चाहिए। तभी उनसे प्रेरणा लेकर एक साधारण मनुष्य उनके मार्ग का अनुसरण करता हुआ सच्चा धार्मिक बन सके।

फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसायटी द्वारा कृष्णोत्सव का आयोजन 30 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसायटी द्वारा अपने दानदाताओं एवं सहयोगी के लिए कृष्णोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कृष्णोत्सव में भाग लेने वाले कलाकार मथुरा से कुरुक्षेत्र तक के दृष्टांत पर एक नृत्य नाटिका पेश करेंगे।

यह विशेष कार्यक्रम 30 जुलाई को अलवरपेट स्थित म्यूजिक अकैडमी में होने जा

रहा है कार्यक्रम को दिल्ली से आ रहे कलाकार प्रस्तुत करेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्था के प्रवीण कुमार टाटिया, शिवकुमार गोयंका, गिरी बागड़ी, विनोद जैन, देवरत्न डागा, शिव प्रकाश बहेती, के.के महेश्वरी, महेंद्र मोहता, विमला दमानी संपूर्ण सहयोग के साथ जुटे हुए हैं।

अविनाशी शंकर भोले नाथ के मंदिर में कावेरी जल अर्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। यहां सर्व समाज द्वारा तिरुपुर खड़ी कावड़ यात्रा 23 जुलाई को तिरुपुर से 70 किलोमीटर दूरी पर दूरी पर स्थित भवानी कावेरी से सुबह 4 बजे पूजा अर्चना करके हर हर महादेव के जयकारों के साथ कावेरी का जल लेकर 54 खड़ी कावड़ अविनाशी के लिए रवाना हुई।

भागीरथ गुलेरिया ने बताया कि श्रावण के महीने में हर वर्ष शंकर भक्त अविनाशी से जल लेकर अविनाशी मंदिर भोलेनाथ को भवानी कावेरी का जल अर्पित करते आ रहे है। गत 20 साल से यह यात्रा निविघ्न चल रही है। इस यात्रा में अरुण पारीक, भागीरथ गुलेरिया, अशोक राव, कैलाश, डुगंरसिंह राठौड़, मुकेश, प्रकाश, चेतन, हरिश, दिनेश, अशोक, राकेश, राजेश, सुभाष, विपुल, ईन्द्रेव, शंभू, शिव, दिपु, सत्यदेव, मनिश, विनोद आदि ने भाग लिया।

अंतरविद्यालय प्रतियोगिता में जीएसएस का दूसरा स्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के वेपेरी स्थित गुरु श्री शांतिविजय जैन विद्यालय की छात्रों ने महर्षि विद्या मंदिर पंरबरियम में आयोजित दो दिवसीय अंतर विद्यालय प्रतियोगिता में शनिवार को भाग लिया। मेहंदी प्रतियोगिता में नवीं और दसवीं कक्षा की इशिका व रुचि ने दूसरा स्थान, फेस पेंटिंग में नवीं कक्षा की कृषि व छवि ने दूसरा स्थान, फ्यूजन डांस में नवीं कक्षा की छात्राओं ने दूसरा स्थान, रेट्रो डांस में 12वीं कक्षा की छात्राओं ने दूसरा स्थान, ब्राइडल मेकअप में 12वीं कक्षा की याशिका व टीना ने तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। पेंसिल शेविंग प्रतियोगिता में यूकेजी और एलकेजी के विद्यार्थियों को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में विद्यालय ने दूसरा स्थान प्राप्त किया और कुल 6 हजार की नगद राशि का पुरस्कार भी जीता।

सभी विजेताओं को विद्यालय के अध्यक्ष डॉ.गौतम वैद, संवाददाता व सचिव डॉ. ज्ञान जैन, प्राचार्या उमा माहेश्वरी और समिति के सभी सदस्यगण और अध्यापकगण ने बधाई दी।

भगवान महावीर ने मोक्ष प्राप्त करने का मार्ग बताया

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के स्वाध्याय भवन में श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के तत्वावधान में मनीष जैन ने रविवारीय सामूहिक सामायिक में उदबोधन देते हुए कहा कि श्री राम व श्रीकृष्ण आदर्श पुरुष थे,जिन्होंने प्रसन्नता व धैर्यता पूर्वक जीवन जिया। दोनों आदर्श पुरुषों का जीवन सरलता व सहजता पूर्ण था। राम ने पिताश्री की आज्ञा पालन करने हेतु राजमहल का त्याग कर चौदह वर्षों के दीर्घ काल के लिए वनवास स्वीकार करते हुए एक आदर्शमय जीवन जिया। श्रीकृष्ण अर्जुन के मित्र भी रहें तो धर्मयुद्ध में सच्चे सारथी भी रहें व सत्य की राह पर चलने वाले मित्र को विजयी बनाया। मित्र की तरह उनके मन में अर्जुन के प्रति प्रेम व स्नेह था तो सच्चे सारथी के रुप में गीता का उपदेश भी दिया। श्री राम और श्री कृष्ण दोनों जीवन के आदर्श हैं जिन्होंने ताकतवर व सामर्थ्यवान होते हुए सरलता व सहजता का त्याग नहीं किया। उनके आदर्शमय जीवन के कारण आज भी उनकी गौरव गाथा गायी जाती हैं। ऐसे ही महापुरुष भगवान महावीर हुए, जिन्होंने राजमहल, राज-पाट,सिंहासन का त्याग कर कर्मों को क्षय करने हेतु जंगलों में, वनों में अनेक वर्षों तक विचरण किया और हर प्राणी मात्र को जीवन को सही रुप में जीने की कला के साथ मृत्यु को स्वीकार करने की, समाधि पूर्वक मरण की कला बताई और मुक्ति का मोक्ष प्राप्त करने का मार्ग बताया। धर्म सभा में श्रावक संघ तमिलनाडु के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि दैनिक रुप से प्रातः आठ बजे से समकित का संग मुक्ति का रंग पर गौतमचंद मुणोत व विनोद द्वारा विशेष स्वाध्याय व वरिष्ठ विद्वान स्वाध्यायी बन्धुवरों द्वारा उदबोधन स्वाध्याय भवन में गतिमान हैं। धर्म सभा में प्रकाशचंद ओस्तवाल, गौतमचंद चोरडिया दिनेश खींवसरा, उच्छबराज गांग नवरतनमल चोरडिया महावीरचंद कर्णावट संदीप ओस्तवाल कांतिलाल तातेड़ अनोपचन्द बागमार महावीरचंद बागमार महावीरचंद छाजेड़ आदि उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.